www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 76 || अम्बेडकरनगर
रविवार
07 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

# दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 29°00

विशेष समाचार | मिलावट-मुक्त भारत से ही ... >> पेज 04 | हम यादव वंशी, गाय हमारी ... >> पेज 06 | 38 की हुई नेहा कक्कड़...

## दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन, अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

# जंतर-मंतर पर कॉकरोच के मुखौटे में हल्लाबोल

**मांग**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया।

पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए।

अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

### नीट यूजी पेपर फिर लीक होने का दावा झूठा छात्रों को अफवाह से बचने की दी सलाह

एजेंसी ने बताया कि फर्जी दावे फैलाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स, चैनलों और अन्य ऑनलाइन माध्यमों की पहचान की जा रही है। इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित प्लेटफॉर्म्स और साइबर अपराध से जुड़ी एजेंसियों को सूचना दी गई है।

सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके के साथ मंच पर पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की थी।

### लीक नहीं हुआ नीट री-एग्जाम का पेपर

**एनटीए ने चार प्वाइंट्स में क्या कहा ?**

- परीक्षा प्रक्रिया को बताया पूरी तरह सुरक्षित
- साइबर एजेंसियों को मामले की शिकायत दी गई
- फर्जी अकाउंट्स पर पैनी नजर और कार्रवाई की जा रही
- अभ्यर्थियों को अफवाहों से दूर रहकर तैयारी करने की सलाह

### प्रदर्शन शामिल हुए सोनम वांगचुक

प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, CPI नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं।

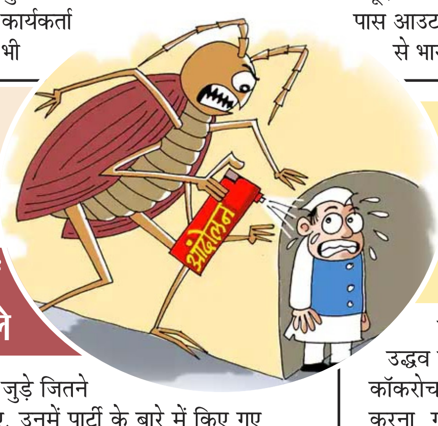


### सीजेपी से जुड़े पोस्ट्स को 7 दिनों में 2 करोड़ से ज्यादा लाइक्स मिले

शनिवार को सोशल मीडिया पर CJP से जुड़े जितने पोस्ट किए गए, उनमें पार्टी के बारे में किए गए निगेटिव पोस्ट्स की संख्या पॉजिटिव पोस्ट्स से लगभग 5-6 गुना ज्यादा रही। सोशल मीडिया का एनालिसिस करने वाली वेबसाइट BRAND24 के मुताबिक, सिर्फ 4.6% लोगों ने पार्टी को लेकर पॉजिटिव पोस्ट किए, जबकि 25.7% लोगों ने निगेटिव पोस्ट किए। 69.7% लोगों ने न्यूट्रल पोस्ट किए।

### मंत्री के इस्तीफे के लिए 5 दिन की समय सीमा

अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

### उद्धव ठाकरे बोले- युवाओं को कॉकरोच कहना गलत

शिवेसना (उद्धव) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा, 'युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी।'

अखिलेश यादव ने CJP प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- 'गुरूरमंद हुक्मरानों तक पहुंचे ये आवाज, अब नौजवानों ने भी कर दिया है इंकलाब।'

NCP (SP) के महासचिव रोहित पवार ने कहा, 'CJP को मिल रहा समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।'

### अभ्यर्थियों को अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह

एजेंसी ने नीट यूजी 2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से कहा है कि वे अफवाहों से दूर रहकर अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करें। एनटीए ने भरोसा दिलाया है कि परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से आयोजित किया जाएगा।

### अभिजीत 5 घंटे जंतर-मंतर पर रहे

**सुबह 7:30 बजेः** अभिजीत दीपके सुबह अमेरिका से दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वे डेढ़ घंटे बाद बाहर निकले।

**सुबह 9:30 बजेः** अभिजीत CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए। हाथ में अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी थी।

**सुबह 10:00 बजेः** अभिजीत जंतर-मंतर पहुंचे। यहां समर्थकों ने स्वागत किया और लोगों से बातचीत की।

**सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तकः** दीपके ने अपने समर्थकों के बीच 5 बार छोटी-छोटी स्पीच दी। इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए गए।

**दोपहर 3:30 बजे :** दीपके की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। वे सोनम वांगचुक के साथ रवाना हो गए।

## 'फायरिंग मामले में खान सर सरेंडर नहीं करेंगे'

### वकील बोले- अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे

**विवाद**

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने बताया, 'खान सर के सरेंडर करने का कोई चांस नहीं है। उन्हें बेल लेने की जरूरत पड़ सकती है।

मेरे क्लाइंट की वजह से फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस ने FIR में कुछ भी लिख रखा है। खान सर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि गोली चलाओ में देख लूंगा। जमानत याचिका दायर कर रहे हैं।

- खान सर पर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट में एफआईआर

शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने का वक्त खत्म हो गया था। हम लोग सोमवार को इसे दाखिल करेंगे।

खान सर के गाड्र्स प्रदीप और तारकेश्वर की जमानत के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की अदालत में याचिका दाखिल की गई है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी।'

>> (शेष पेज 06 पर)

## नीट की छात्रा ने लगाई रेलवे ओवरब्रिज से छलांग

### 30 मिनट तक तड़पती रही पुलिसकर्मी की बेटी

तमसा संकेत, एजेंसी

गुना । मध्य प्रदेश के गुना जिले में शनिवार सुबह करीब 7—8 बजे बजरंगगढ़ रेलवे ओवरब्रिज से 19 वर्षीय युवती ने छलांग लगा दी। रेलवे पटरी पर खड़े एक रेलवे इंजन के सामने जा गिरी। गंभीर रूप से घायल युवती करीब 30 मिनट तक रेलवे ट्रैक पर तड़पती रही, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने मदद नहीं की। जानकारी के अनुसार, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त ट्रैक पर एक रेलवे इंजन खड़ा था, जबकि पास की दूसरी पटरी पर भी एक अन्य इंजन मौजूद था। बताया जा रहा है कि मौके पर मौजूद लोको पायलट ने युवती को घायल अवस्था में देखा, लेकिन वह नीचे उतरकर उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया। करीब आधे घंटे बाद वहां से गुजर रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति की नजर गंभीर रूप से घायल और तड़पती हुई युवती पर पड़ी।

- बुजुर्ग के बुलावे पर लोग ऑटो बुलाकर उसे अस्पताल भेजते हैं।
- नीट की तैयारी कर रही थी छात्रा

>> (शेष पेज 06 पर)

**फास्ट न्यूज**

### अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

**कार्रवाई | जांच**

### दिल्ली होटल आग हादसा-रसोइया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में आग लगी थी। पुलिस ने हादसे की जांच के लिए होटल के रसोइए केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोइए की लापरवाही से लगी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रसोइए केशव ने ही बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टॉरेंट के किचन में बिजली से चलने वाला चूल्हा था। पुलिस जांच में ही यह बात सामने आई है कि जब नेगी ने बिजली बंद की तो इससे होटल इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे लॉक हो गए।

### पत्नी-बेटे की कब्र पर पति की लाश मिली

महोबा। महोबा में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक युवक की लाश पत्नी और बेटे की कब्रों के बीच मिली। एक हाथ बेटे की और दूसरा पत्नी की कब्र पर था। परिवार के मुताबिक, बेटे -पत्नी की मौत के बाद से 40 साल के सुब्हान अहमद गहरे सदमे में थे। अक्सर कब्रों के पास घंटों बैठे रहते थे। शुक्रवार सुबह सुब्हान अहमद कब्रों पर फातिहा पढ़ने गए थे।

# 'भाषण देने नहीं आप लोगों की बात सुनने आया हूं'

### राजनाथ सिंह का जनसंवाद, काम न होने पर बीजेपी कार्यकर्ता ने जताई नाराजगी

**संवाद**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वह जनता के बीच भाषण देने नहीं, बल्कि उनकी समस्याएं सुनने और सुझाव लेने आए हैं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के सुझाव विकास योजनाओं की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लखनऊ के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर लगातार काम कर रही हैं।

ये बातें राजनाथ सिंह ने आज कैसरबाग स्थित राय उमा बाली प्रेक्षागृह में भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग जनसंवाद में कहीं। उन्होंने शहर के प्रबुद्धजनों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों से सीधे संवाद किया। विकास कार्यों, जनसुविधाओं और शहर की समस्याओं पर चर्चा की। >> (शेष पेज 06 पर)

### यातायात, व्यापार और जनसुविधाओं के कार्यों की सराहना

जनसंवाद में शामिल गौरव उपाध्याय ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयासों और विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित ओपन जिम की सराहना की। व्यापारी नेता अनिल बजाज ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए रक्षा मंत्री हमेशा संवेदनशील रहते हैं। व्यापारिक हितों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

## सीएम योगी ने उत्सव के रंग में भंग डालने वालों को दी चेतावनी

# 'वर्तमान तो जाएगा ही भविष्य भी स्वाहा'

**चेतावनी**

> सीएम योगी ने दी 516 करोड़ की सौगात, बोले- ये गलती करने वालों का वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी होगा स्वाहा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्सवों के दौरान रंग में भंग डालने वालों को सख्त स्वर में चेतावनी दी। बकरीद के दिन गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में किशोर सूर्या चौहान की हत्या के बाद से लगातार सीएम योगी इन बातों को दोहराते दिख रहे हैं। साथ ही, उन्होंने पिछली समाजवादी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधा। सीएम योगी ने इस दौरान 2015 के गोंडा दुर्गा पूजा दंगे का जिक्र किया। >> (शेष पेज 06 पर)

- सीएम ने कहा कि आज बहन और बेटियां सुरक्षित महसूस करती हैं। विकास में पिछले पायदान पर हमारी गिनती जब होती है तो सम्मान नहीं होता है। आज प्रदेश के सभी जिलों, विकासखंड, नगर निकाय और ग्राम पंचायतों में बिना किसी रोकटोक के योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पर्व और त्योहारों में कोई व्यावधान नहीं डाल सकता है।

### सीएम ने दी सख्त चेतावनी

सीएम योगी ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि उत्सव के रंग में किसी ने भंग डालने का प्रसास किया तो फिर वर्तमान तो जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। प्रदेश में अब कोई त्यौहारों के दौरान रंग में भंग डालने का काम नहीं कर सकता है। डबल इंजन सरकार की क्या ताकत होती है, यह देखना है तो अयोध्या हो आइए। जो 500 वर्षों में कभी नहीं हुआ, वह अयोध्या बदल चुकी है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद स्थिति बदल गई है। सीएम योगी ने इस दौरान भगवान राम के नाम लेने पर पहले प्रतिबंध होने की बात कही।

## हलचल : जिलाध्यक्ष बदलाव के बाद संगठन में असली सत्ता-संतुलन की जंग शुरू

# भाजपा में 'पावर रीसेट' मोड

- संगठन ढांचे का 'री-इंजीनियरिंग फेज', पुराने समीकरण दबाव में
- 'पदों की दौड़' ने पकड़ी रफ्तार, लॉबी सक्रिय
- 2027 से पहले संगठन ही बनेगा चुनावी इंजन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। भाजपा में नए जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल की नियुक्ति को 10 दिन पूरे होने के बाद जिले की राजनीति अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। संगठन में शुरुआती औपचारिकताओं के बाद अब असली फोकस जिला कमेटी और मंडल इकाइयों के पुनर्गठन पर है। इसी प्रक्रिया ने जिले के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। पार्टी के अंदर यह माना जा रहा है कि जो भी टीम बनेगी, वही 2027 विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करेगी। जिला कमेटी के संभावित पदों को लेकर दावेदारों की सक्रियता अचानक बढ़ गई है। जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री और मीडिया प्रभारी जैसे पदों के लिए स्थानीय स्तर से लेकर लखनऊ तक संपर्क अभियान चल रहा है। संगठन के भीतर यह स्थिति स्पष्ट संकेत दे रही है कि यह केवल नियुक्ति प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभाव क्षेत्र विस्तार की रणनीतिक दौड़ है। >> (शेष पेज 06 पर)

> सूत्रों के अनुसार जिला संगठन अब री-इंजीनियरिंग चरण में प्रवेश कर चुका है। कई स्तरों पर पद रिक्त हैं, जबकि कुछ जगह पुरानी पकड़ अब भी प्रभावी बनी हुई है। इसी असंतुलन के कारण नई टीम का गठन सिर्फ प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि राजनीतिक शक्ति पुनर्वितरण की प्रक्रिया बन गया है।

### पर्यवेक्षक सक्रिय, हर नाम पर हो रहा 'स्क्रीनिंग टेस्ट'

संगठनात्मक पुनर्गठन के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक गोविंद नारायण शुक्ल की भूमिका अब निर्णायक मानी जा रही है। जिला कार्यसमिति और मंडल इकाइयों के गठन को लेकर नामों की स्क्रीनिंग तेज हो गई है। सूत्र बताते हैं कि चयन प्रक्रिया में केवल सक्रियता नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और संगठनात्मक संतुलन को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

### गुटों की गणना शुरू, हर फैसले पर टिकी निगाह

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि नई टीम का सबसे बड़ा परीक्षण गुटीय संतुलन होगा। हर क्षेत्र और समूह अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश में है। यही वजह है कि संगठन में हर नाम और हर निर्णय को राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

## यूसुफ से ममता के लिए सांसदी छोड़ने नहीं कहा : गांगुली

### गांगुली बोले मुझे राजनीति से मतलब नहीं

**बयान**

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को कहा, 'मैंने ममता बनर्जी के कहने पर TMC सांसद यूसुफ पठान से बहरामपुर सीट से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा।' उन्होंने कहा कि मीडिया ऐसी अफवाहों और अटकलों पर भरोसा न करे।

गांगुली ने मीडिया हाउस को लेटर जारी कर कहा कि वे बिना सत्यता जाने खबर पब्लिश ना करें। दरअसल, 4 जून को बंगाल के अखबार आनंदबाजार पत्रिका ने दावा किया था कि ममता ने सौरव से कहा है कि वह यूसुफ को लोकसभा सीट छोड़ने के लिए मनाएं। ताकि ममता उपचुनाव के जरिए संसद पहुंच सकें।

- ममता अब विधायक भी नहीं, राज्यसभा जाना भी मुश्किल

गांगुली ने लिखा, 'ये सभी बातें पूरी तरह गलत हैं। ममता ने मुझे कभी भी यूसुफ तक कोई संदेश पहुंचाने के लिए नहीं कहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

## सीतापुर की युवती की लखनऊ में हत्या, 10 दिन बाद जंगल में चप्पल-कपड़े और हड्डियां मिलीं

# खुलासा : प्रेग्नेंट होने पर प्रेमी ने बीएससी छात्रा को मारकर फेंका

**वारदात**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीतापुर की एक बीएससी छात्रा के प्रेग्नेंट होने के बाद प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर लखनऊ ले गया और हत्या के बाद शव को जंगल में फेंक दिया।

पुलिस ने कहा-दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। छात्रा के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी काफी परेशान रहने लगा। शादी की जिम्मेदारी से बचने के लिए युवती की हत्या कर दी।

हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने लखनऊ के महिपतपुर क्षेत्र के जंगल से कुछ

विशाल, आरोपी प्रेमी — मानसी, मृतक

हड्डियां, बाल, कपड़े और चप्पल बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि बरामद हड्डियों के अवशेष, कपड़े और चप्पल युवती के ही हैं। सीतापुर के संदना क्षेत्र की रहने वाली 19 वर्षीय मानसी बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। 25 मई को कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसके प्रेमी विशाल पाल पर उसे भगाने का आरोप लगाया था। युवती की बरामदगी न होने पर परिजन ने धरना-प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी विशाल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। उसकी निशानदेही पर 6 जून को पुलिस ने लखनऊ के जंगल से छात्रा के शव के अवशेष बरामद किए। हालांकि, उनकी पहचान की पुष्टि के लिए आगे की जांच और आवश्यक परीक्षण किए जा रहे हैं।

### एसीपी बोले- डीएनए से पहचान कराई जाएगी

एसीपी बीकेटी विकास पांडेय ने कहा जंगल में एक युवती के अवशेष मिले हैं। पिता ने बेटी के कपड़े और चप्पल से पहचान की है। मृतका के प्रेमी ने सीतापुर पुलिस के सामने कबूला है कि दोनों के बीच अफेयर था। लड़की प्रेग्नेंट हो गई थी। प्रेमी ने बहाने से लखनऊ लाकर प्रेमिका को मार डाला। जंगल में बरामद अवशेषों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। डीएनए परीक्षण कराया जाएगा।

### एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो पिता ने धरना शुरू किया

पिता महेश ने बताया, मेरी बेटी 25 तारीख को लापता हो गई थी। उसके प्रेमी ने उसका अपहरण कर लिया था। मैं नामजद शिकायत दर्ज कराने थाने गया, लेकिन मामला दर्ज नहीं किया गया। 28 तारीख को मुकदमा दर्ज हुआ। जब मैंने FIR की कॉपी देखी तो मैं उससे संतुष्ट नहीं था। इसके बाद मैं सीओ साहब और एसपी साहब से मिला। मैं लगातार अधिकारियों के पास जाता रहा और उन्हें बताता रहा कि मैं पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हूं। जब मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई, तो अधिकारियों को सूचना देकर धरने पर बैठ गया। 2 जून को धरना शुरू होने के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आया और कुछ कार्रवाई शुरू हुई। धरने के तीसरे दिन सीओ साहब आए और मुझसे कहा कि धरना समाप्त कर दीजिए, हम आपकी बेटी को 3-4 दिनों में ढूंढ़ लेंगे। उनके आश्वासन पर मैं धरने से उठ गया, लेकिन गांव के लोग वहीं बैठे रहे।

### पिता बोले- आज पुलिस लखनऊ लेकर मुझे आई

पिता ने बताया कि शनिवार को पुलिस मुझे लेकर लखनऊ आई। बताया कि मेरी बेटी मिल गई है। लेकिन मुझे लेकर सीधे जंगल गए। वहां झाड़ियों में फंसे उसके कपड़े दिखाए। चप्पल और हड्डियां भी पड़ी थी। उसके बाल भी मिले लेकिन पूरी लाश नहीं मिली। बताया जा रहा कि मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। आरोपी प्रेमी जेल में है। अगर बेटी की हत्या हुइ है तो अकेले तो उसने किया नहीं होगा। और लोग शामिल होंगे। उन पर भी कार्रवाई हो। लापरवाह पुलिसवाले भी निलंबित किए जाएं।

## अयोध्या में भीषण गर्मी, पारा 38.0 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

### बादलों की आवाजाही से भी नहीं मिली राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में बादलों की आवाजाही के बावजूद भीषण गर्मी है। दिन के समय तेज धूप और बढ़ती आर्द्रता के कारण गर्मी का एहसास बना हुआ है। शनिवार को तेज धूप ने श्रद्धालुओं को खूब परेशान किया। गर्मी और उमस से लोग बेहाल रहे।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मौसम वेधशाला के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है। तापमान में यह अंतर दिन और रात दोनों समय मौसम को अपेक्षाकृत गर्म बनाए हुए है।

वायुमंडल में नमी की मात्रा भी अधिक बनी हुई है। अधिकतम

सापेक्षिक आर्द्रता 83 प्रतिशत, न्यूनतम 50 प्रतिशत दर्ज की गई। आर्द्रता के उच्च स्तर के कारण लोगों को उमस का सामना करना पड़ रहा है। हवा की औसत गति 3.1 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। हवाएं उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलीं। दिनभर किसी प्रकार की वर्षा दर्ज नहीं की गई और वर्षा का आंकड़ा शून्य मिलीमीटर रहा।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी 24 घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। क्षेत्र में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन वर्षा होने की संभावना नहीं है।

**फास्ट न्यूज**

### प्रयागराज शास्त्री पुल मरम्मत शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज के शास्त्री पुल पर मरम्मत का काम शुरू हो गया है। पुल की प्रभावित लेन को बंद करके लगभग 2.2 किलोमीटर यानी 2200 मीटर लंबी सड़क की ऊपरी लेयर हटाकर फिर से बनाई जा रही है। पहले सड़क की सतह की छिलाई की जा रही है। उसके बाद जगह-जगह किए गए पैचिंग को हैमर मशीन से हटाया जा रहा है और साफ-सफाई के बाद दुरुस्त किया जाएगा। मरम्मत के काम में करोड़ों रुपये का बजट लग रहा है ।

### शादी के बहाने ले जाकर महिला से गैंगरेप

प्रयागराज । प्रयागराज में एक महिला को धोखे से घर से ले जाकर बंधक बनाकर गैंगरेप का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि उसे कोरांव में बंधक बनाकर पहले दो लोगों ने गैंगरेप किया। फिर उसकी शादी तीसरे व्यक्ति से कराई। उसने भी उसके साथ दरिंदगी की। पुलिस अफसरों से गुहार लगाने के बावजूद कार्रवाई न होने पर महिला कोर्ट पहुंची। अब कोर्ट ने इस मामले में 10 दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। महिला ने बताया, उसने मेजा के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ कोर्ट मैरिज की थी। पति ने उसे सोने-चांदी के लाखों रुपये के जेवर दिए।

### ट्रेलर की टक्कर से दंपति की मौत

गोरखपुर। गोरखपुर में शुक्रवार को ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पति- पत्नी की मौके से मौत हो गई। जबकि 7 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल है। मौत की खबर सुनकर परिवार में चीख- पुकार मच गई। 17 साल की बेटी और 13 साल के बेटे का रो- रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक बेटी बस एक ही रट लगा रही है, 'मम्मी ने कहा था शाम तक लौट आऊंगी, अब कभी नहीं आएंगे वे लोग, हम कैसे रहेंगे उनके बिना। जबकि बेटा निगम बेसुध है।

## पेड़ पर्यावरण का एक अनिवार्य हिस्सा : बी.त्रिपाठी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जनपद के जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने बाबा टीकाराम धाम परिसर में गोमती तट पीपल , नीम व अन्य क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करतें पौधों का रोपड़ किया । निश्चय ! पर्यावरण को बचाना है तो अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना समय की मांग है । 'पेड़ पर्यावरण का एक अनिवार्य हिस्सा हैं ' यह बात विश्व पर्यावरण दिवस पर जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि ) के द्वारा श्री बाबा टीकाराम धाम हैदरगढ़ में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि ) के मण्डल अध्यक्ष बी.त्रिपाठी एड0 नें कहीं , आगे कहा कि हमारें जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के दिशा निर्देशानुसार द्वारा चलाई जा रही मुहिम के तहत 'एक पत्रकार एक पेड़' का हिस्सा बनकर पर्यावरण को संरक्षित करने की

**जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि) की मुहिम पर 'एक पत्रकार - एक पेड़' तहत किया**

सक्रियता में हम सबकों अहम भूमिका भी निभानी हैं । क्योंकि वृक्ष धारा के आभूषण है इनके अभाव में मानव जीवन के मूल्यो की कल्पना नहीं की जा सकती है क्योंकि पेड़ों से ही हमें प्राण दायिनी ऑक्सीजन के साथ ही साथ अनेकों लाभ प्राप्त होते हैं । स्वच्छ ऑक्सीजन स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकता है तो अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण किया जाना नितांत आवश्यक है ।

### बच्चे बोले- मुख्यमंत्रीजी, हमारी पढ़ाई बचा लीजिए, विधायक ने कहा- भूमाफिया ने ताला लगाया

# 90 साल पुराना स्कूल बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज नरही में विद्या मंदिर गर्ल्स हाईस्कूल की बिल्डिंग में ताला लगाए जाने का छात्र-छात्राओं ने शनिवार को विरोध किया। विद्यालय के बाहर बच्चों और टीचर्स ने नारेबाजी की। प्रिंसिपल ने कहा- स्कूल 90 साल पुराना है। इसमें सरकारी टीचर भी पढ़ा रहे थे। इसके बावजूद इसे बंद करा दिया गया। एक्शन से पहले कोई नोटिस भी नहीं दिया गया।

छात्र-छात्राओं और स्कूल के शिक्षकों का समर्थन करने सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा भी पहुंचे। उन्होंने कहा- इस स्कूल में बेटियां भी पढ़ती हैं। सरकार कहती है कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ। यहां स्कूल ही नहीं बच पा रहा है। कुछ भूमाफियाओं और गुंडों ने स्कूल का बोर्ड फेंककर ताला लगा दिया है। वहीं, बच्चों ने

मुख्यमंत्री से अपनी पढ़ाई बचाने की गुजारिश की है। विद्यालय की प्रबंधक संतोष रस्तोगी के अनुसार, करीब 100 साल पहले विद्यालय की भूमि शिक्षा के उद्देश्य से दान में मिली थी। भूमिदाता के निधन के बाद कुछ लोग कथित रूप से फर्जी रजिस्ट्री के आधार पर संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हीं के कागजों पर एडीएम कोर्ट ने विद्यालय बंद करने का आदेश दिया। 4 जून को विद्यालय में पुलिस की मौजूदगी में ताला लगा दिया गया। आदेश के संबंध में विद्यालय प्रबंधन को कोई विधिवत नोटिस नहीं दिया गया और न ही उनकी आपत्तियों को सुना गया।

### 250 बच्चे पढ़ते हैं, 6 सरकारी टीचर पढ़ा रहे

स्कूल की कार्यवाहक प्रधान अध्यापिका रश्मि ने कहा- स्कूल में लगभग 250 बच्चे पढ़ते हैं। उनके तमाम कागजात रखे हुए थे। 90 सालों से स्कूल चल रहा है। हमारे पूर्व के शिक्षक, कर्मचारियों के तमाम कागजात थे, वो सब बर्बाद कर दिया गया। हमारे डॉक्यूमेंट के साथ छेड़छाड़ हुई। विद्यालय अभिलेख बहुत जरूरी होता है। बच्चों के जीवन से जुड़ा हुआ होता है। किराये को लेकर विवाद पहले से चल रहा था, मगर इसका मतलब यह नहीं है कि हम सबको सीधे बाहर कर दिया जाएगा। हमारे निदेशक को इसकी सूचना देनी चाहिए और हम लोगों को भी कोई पूर्व में नोटिस नहीं मिला। ताला लगने के बाद हम सभी लोग परेशान हैं। हम अभिभावकों और बच्चों के सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

विद्यालय प्रबंधन से जुड़े लोगों का समर्थन करने सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा भी पहुंचे।

### सारे डाक्यूमेंट्स बोरे में भर दिए, बारिश में भीगे

कार्यवाहक प्रधान अध्यापिका रश्मि ने कहा कि 4 जून को इस स्कूल में ताला लगाया गया , जबरदस्ती स्कूल का बोर्ड उतार कर दीवार पर जहां नाम लिखा था पेंट कर दिया गया । उन्होंने बताया कुछ जरूरी काम हम लोग अन्य स्टाफ के साथ मिलकर कर रहे थे।

# धर्मांतरण का आरोप लगाकर हंगामा

### पुलिस बोली- धर्म परिवर्तन का मामला नहीं, पिकनिक मनाने आए लोगों से विवाद हुआ था

**जांच**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । इंदिरा नगर थाना क्षेत्र स्थित कुकरैल जंगल में शनिवार सुबह धर्मांतरण का मामला सामने आया। आरोप है कि यहां लोगों पर क्रिश्चियन धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। आंखों में पट्टी बांधकर एक ईसाई धर्म के बारे में प्रचार किया जा रहा था। हिंदुओं के खिलाफ बातें की जा रही थीं।

जंगल में सुबह टहलने पहुंचे लोगों ने इसका विरोध किया। आरोप है कि झुंड में आए लोगों ने झगड़ा शुरू कर दिया। मामला बढ़ने पर लोगों ने 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस सभी लोगों को समझा बुझाकर थाने जाकर शिकायत करने की बात कही। पुलिस का कहना है मामला

संज्ञान में नहीं है न ही कोई तहरीर प्राप्त हुई है।

उस जगह पर प्रवेश केवल वैध टिकट के माध्यम से ही दिया जाता है। मौके पर मौजूद व्यक्तियों से पूछताछ व मिले तथ्यों के आधार पर ज्ञात हुआ कि कुछ व्यक्ति जिसमें मुख्यता सतनू लाल पुत्र राम भरोसे व भावना सिंह पत्नी वीरेंद्र सिंह निवासीगण बृजनगर कॉलोनी तिवारीपुर थाना बीकेटी अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने आए थे। वे लोग अपने साथ घर से अंडे व अन्य सामग्री लाए थे। वहीं पर उनका सेवन कर रहे थे। तभी कुछ व्यक्तियों द्वारा अंडा आदि खाने को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया। जांच के दौरान वायरल वीडियो में लगाए गए धर्म परिवर्तन संबंधी आरोपों की जांच से पुष्टि नहीं हुई है। यह पता चला कि वीडियो विपक्षी पक्ष द्वारा आरोप लगाते हुए बनाया गया है, जिसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है। मामले में लगाए गए आरोपी गलत पाए गए हैं।

### सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस जांच करने की बात कह रही है। वीडियो में साफ तौर पर 20 से 25 लोग दिखाई दे रहे हैं, जिनसे कुछ लोग बातचीत कर रहे हैं। पुलिस भी मौजूद है। लोगों का आरोप है ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार के दौरान हिंदुओं के खिलाफ बातें की जा रही थीं।

### पुलिस की तरफ से आया बयान

पुलिस की ओर से इस संबंध में प्रेस नोट जारी किया गया है। उसमें कहा गया है कि कुकरैल पिकनिक स्पॉट उत्तर प्रदेश वन विभाग के अंतर्गत संचालित है, जहां वन सुरक्षा अधिकारी व वन दरोगा द्वारा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है।

पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पुलिस का कहना है कि धर्मांतरण का आरोप सही नहीं पाया गया।

## यूपी-कॉलेज छात्र के हत्यारे अनुज सिंह की जमानत खारिज

### ओवरकिल-दुस्साहस पर जज की सख्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की कोर्ट ने शनिवार को चर्चित उदय प्रताप (यूपी) कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े हुए छात्र सूर्यप्रताप सिंह हत्याकांड के मामले में सुनवाई की। कोर्ट में आरोपी की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर जिरह शुरू हुई। न्यायालय ने मामले की गंभीरता, चश्मदीदों के बयान और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की भयावहता को देखते हुए सह-अभियुक्त अनुज सिंह की प्रथम जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रभारी सत्र न्यायाधीश संध्या श्रीवास्तव ने अपने आदेश में इस वारदात को 'दुस्साहस की चरम सीमा' करार दिया है। शनिवार को कोर्ट में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान अदालत में अभियोजन और पीड़ित पक्ष के अधिवक्ताओं ने अभियुक्त की जमानत का पुरजोर विरोध किया। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी)

सूर्य प्रताप सिंह मृतक छात्र

मुनीर सिंह चौहान ने सरकार की ओर से कड़ा रुख अपनाते हुए दलील दी। उनका कहना था कि कॉलेज परिसर जैसी शैक्षणिक जगह पर सरेआम कानून की धज्जियां उड़ाने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर राहत नहीं मिलनी चाहिए। वादी पक्ष के विद्वान अधिवक्ता विवेक शंकर तिवारी ने अदालत के सामने चश्मदीदों के बयान और मेडिकल साक्ष्य रखते हुए साफ किया। विवेक शंकर ने बताया कि पूरी वारदात सुनियोजित साजिश और समान आशय के साथ की गई जघन्य हत्या थी, जिसमें अभियुक्त अनुज सिंह की भूमिका मुख्य शूटर के साथ कदम-कदम पर बराबर की थी।

**आयोजन :** कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय कुमार स्वामी उपस्थित रहे

# राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा एनवायरनमेंट, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन सोसायटी (EAES), बरेली एवं बृज विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित "7-दिवसीय विश्व पर्यावरण महोत्सव – 2026" का भव्य समापन राष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रबन्धन समिति के सचिव श्री देवमूर्ति के संरक्षण, प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन तथा स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक डॉ. अतुल यादव एवं पूर्व निदेशक प्रो. ए.पी. सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय कुमार स्वामी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें "लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर सोशल एंड एनवायरनमेंटल सर्विस" से सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता (की-नोट स्पीकर) के रूप में डॉ. सोमेश मेहरा, साइंटिस्ट-सी, एम.आर.यू.-डी.एच.आर.-आई.सी.एम.आर., डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी, नैनीताल (उत्तराखण्ड) उपस्थित रहे। उन्होंने "द एनवायरनमेंट-वॉटर-हेल्थ नेक्ससः इंटरसेक्टिंग ग्लोबल क्राइसिस ऑफ क्लीन वॉटर स्कार्सिटी, पॉल्यूशन एंड एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

**कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागीय प्रोफाइल का प्रस्तुतीकरण प्रो. गौरव भूषण द्वारा किया गया, जिसमें विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों एवं विस्तार कार्यक्रमों का विस्तृत परिचय दिया गया।**

कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. जसपाल सिंह, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सात दिवसीय महोत्सव की विभिन्न गतिविधियों, उपलब्धियों एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला तथा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने विभाग की आगामी पाँच वर्षों की कार्ययोजना भी साझा की। उन्होंने बताया कि विभाग निकट भविष्य में इंटरनेशनल जर्नल प्रारम्भ करने, विद्यार्थियों के लिए यूजीसी-नेट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम संचालित करने तथा एक गाँव को गोद लेकर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं सतत विकास से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

# सीजेपी समर्थन में उतरे युवाओं को घसीटकर ले गई पुलिस

### गोरखपुर में नीट पेपर लीक का विरोध, 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' नारे लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। देश भर में गरमाए NEET पेपर लीक मामले के विरोध की आग अब गोरखपुर तक पहुंच गई है। शहर के चटोरी गली के पास पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंकने पहुंचे युवाओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और युवाओं के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प हुई, जिसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए अपनी गाड़ी में भरकर कैंट थाने ले गई। दिल्ली में चल रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार की दोपहर 12 बजे गोरखपुर के 8 से 10 युवा चटोरी गली के पास इकट्ठा हुए थे।

हाथों में तख्तियां और पुतला लेकर पहुंचे इन युवाओं ने पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। युवा लगातार 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' और 'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो' के नारे लगा रहे थे।

पुलिस सभी हिरासत में लिए गए युवाओं को गाड़ी में भरकर सीधे कैंट थाने ले आई।

### पुतला दहन से पहले पहुंची पुलिस

युवा अभी केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने की तैयारी कर ही रहे थे कि तभी भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, जिससे माहौल गरमा गया। जब युवाओं ने प्रदर्शन बंद करने से मना कर दिया, तो पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं को जबरन पकड़ना शुरू किया और उन्हें घसीटते हुए पुलिस वैन में डाल दिया। इस दौरान मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

## जलालपुर तहसील में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

# संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचीं 184 शिकायतें

जनसुनवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। तहसील जलालपुर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जनसामान्य की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रमोद कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चकमार्ग और सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों में भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। जिलाधिकारी ने तहसील प्रशासन को पैमाइश कराने तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही, शिकायतों के निस्तारण के बाद संबंधित शिकायतकर्ता से फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए गए। इससे निस्तारण की गुणवत्ता और प्रभावशीलता का आकलन किया जा सकेगा।

**जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान तय समय सीमा के भीतर किया जाए।**

### राजस्व, पुलिस और बिजली विभाग से जुड़ी शिकायतें प्रमुख

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई गईं। जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को प्रत्येक मामले का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जनसुनवाई के दौरान ऐसे मामलों को, जिनका तत्काल समाधान संभव था, मौके पर ही निस्तारित कराया गया। अन्य मामलों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

### भूमि विवादों के स्थायी समाधान पर जोर

जिलाधिकारी ने भूमि विवाद से जुड़े मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की उपस्थिति में समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया जाए, जिससे विवादों का स्थायी निस्तारण हो सके।

**मौके पर मिली राहत**

तहसील जलालपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 184 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 15 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित लोगों को राहत प्रदान की गई। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए निर्धारित समय के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

# जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने पर जोर

## बूथ सशक्तिकरण और संगठन विस्तार पर रणनीति तय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की मंडल स्तरीय बैठक शनिवार को जगदीशपुर स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और सदस्यता अभियान को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को अधिक प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाना बताया गया।

बैठक का शुभारंभ पूर्व विधायक अनीता कमल ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही संगठन की मजबूती और विचारधारा को जमीनी स्तर तक ले जाने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे।

बैठक में यह भी तय किया गया कि पार्टी की योजनाओं और नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क अभियान को और तेज किया जाएगा। संगठन विस्तार के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

### संगठन विस्तार और बूथ सशक्तिकरण पर केंद्रित रही चर्चा

बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरविंद उपाध्याय ने की। संचालन मंडल महामंत्री अम्ब्रेश मिश्र और अजय पांडेय ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम संयोजक राजाबाबू गुप्ता ने संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

फास्ट न्यूज

### मुबारकपुर उपकेंद्र की बिजली व्यवस्था को जनप्रतिनिधियों की सराहना

अम्बेडकरनगर। टांडा क्षेत्र के मुबारकपुर विद्युत उपकेंद्र की कार्यप्रणाली और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने संतोष व्यक्त किया है। जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में बिजली व्यवस्था में आए सुधार, ओवरलोडिंग की समस्या के समाधान और उपभोक्ताओं को मिल रही सेवाओं को लेकर विभागीय प्रयासों की सराहना की है।

### पुलिस परिवार के मेधावियों का सम्मान

अम्बेडकरनगर। पुलिस परिवार के बच्चों के शैक्षिक विकास और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वामसारथी योजना के तहत आयोजित हुआ, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पुलिस परिवार के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा-10 की बोर्ड परीक्षा में 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली किंजल सिंह विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

### टांडा नगरपालिका को मिली नई ईओ

अम्बेडकरनगर (टांडा)। नगर पालिका परिषद टांडा में शुक्रवार को नई अधिशाषी अधिकारी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रियंका मिश्रा ने नगर पालिका पहुंचकर आधिकारिक रूप से जिम्मेदारी संभाली। कार्यभार ग्रहण के दौरान विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। प्रियंका मिश्रा इससे पहले एटा जनपद की मारहरा नगर पालिका में अधिशाषी अधिकारी के पद पर तैनात थीं।

## जमीनी विवाद में हिंसक झड़प लाठी-डंडे और पथराव में दो घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के संदहा मजगवां गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला किया गया। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, विवाद संग्राम चौहान की खतौनी में दर्ज पैतृक जमीन को लेकर बताया जा रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विपक्षी अर्जुन, मंगला प्रसाद, दीपक सहित अन्य लोग जमीन पर कब्जे का प्रयास कर रहे थे। आरोप है कि विवादित भूमि पर गड्ढा खोदकर पेड़ लगाने की कोशिश की जा रही थी।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि विरोध करने पर पहले गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद आरोप है कि विपक्षी पक्ष के लोग घर में घुस आए और लाठी-डंडों तथा ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।

**संदहा मजगवां गांव में विवाद बढ़ा, घर में घुसकर हमला करने का आरोप**

हमले में रामदत्त और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मारपीट और पथराव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच झड़प और पथराव दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

# कृष्णानगर में मोटापा निवारण शिविर योग और आहार पर दिया गया प्रशिक्षण

## पांच दिवसीय शिविर के दूसरे दिन योगाभ्यास और खानपान पर विस्तार से जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर (अकबरपुर)। भारतीय योग संस्थान की ओर से कृष्णानगर कॉलोनी स्थित योग साधना केंद्र में चल रहे पांच दिवसीय मोटापा रोग निवारण शिविर के दूसरे दिन शनिवार को योग अभ्यास और आहार व्यवस्था पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के साथ की गई।

शिविर का शुभारंभ जिला मंत्री संदीप लाल श्रीवास्तव ने किया। क्षेत्रीय प्रधान अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। जिला संगठन मंत्री डॉ सूर्यनाथ त्रिपाठी ने योग संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका 'योग मंजरी' का परिचय दिया और मोटापा नियंत्रण में सावधानियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में बताया गया कि संतुलित दिनचर्या, समय पर भोजन और नियमित योग अभ्यास से मोटापे पर नियंत्रण संभव है।

शिविर में साधकों को कई योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इनमें टांगों और भुजाओं की सूक्ष्म क्रियाएं, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, कमर चक्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, मंडूकासन, सिंह गर्जनासन, हास्यासन, सर्पासन, पश्चिमोत्तानासन और शवासन शामिल रहे।

इसके साथ अग्निसार क्रिया, कपालभाति और ध्यान का भी अभ्यास कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ योगासन केवल प्रशिक्षक की देखरेख में ही करने चाहिए।

### आहार व्यवस्था पर दिया गया जोर

जिला मंत्री संदीप श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को आहार संबंधी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भोजन संतुलित, समयबद्ध और सीमित मात्रा में होना चाहिए। उन्होंने बताया कि भोजन के दौरान अधिक चबाकर खाने, शाम का भोजन सूर्यास्त के एक घंटे के भीतर लेने और सलाद को पहले शामिल करने की आदत लाभकारी है। इसके अलावा हरी सब्जियों, मल्टीग्रेन आटे की रोटी और पर्याप्त पानी के सेवन पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि भोजन के बीच पानी पीने से बचना चाहिए और भूख से थोड़ा कम खाना स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

# गौहन्ना चौराहे पर जलभराव से हालात बिगड़े

## राष्ट्रीय राजमार्ग पर निकासी व्यवस्था फेल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर–सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गौहन्ना चौराहे पर जल निकासी की खराब व्यवस्था के कारण लगातार समस्या बनी हुई है। हल्की बारिश में भी पूरा चौराहा पानी से भर जाता है, जिससे यातायात और आमजन का आवागमन प्रभावित हो रहा है।

गौहन्ना चौराहा जिले का एक प्रमुख परिवहन केंद्र है, जहां लखनऊ, अयोध्या, आजमगढ़ और दिल्ली जैसे शहरों के लिए बसों का ठहराव होता है। रोजाना सैकड़ों यात्री यहां बसों का इंतजार करते हैं। जलभराव के कारण यात्रियों को खड़े रहने और बसों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब पूरा क्षेत्र पानी से भर जाता है और बस पकड़ने में भी परेशानी होती है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह चौराहा हमेशा भीड़भाड़ वाला रहता है। जलभराव के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ जाती है, जिससे पैदल चलना जोखिम भरा हो जाता है। कई बार लोग घुटनों तक पानी में चलने को मजबूर होते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे वाहन चालकों को भी जलभराव के बीच से गुजरने में कठिनाई होती है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर वर्ष बारिश के मौसम में इसी तरह जलभराव की स्थिति बनती है।

## आलापुर तहसील परिसर से जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

# सरकार की योजनाओं के प्रचार के लिए एलईडी वैन रवाना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए एलईडी प्रचार वैन को शनिवार को रवाना किया गया। आलापुर तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने वैन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि प्रचार अभियान का उद्देश्य लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना है, ताकि पात्र लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। वाहन के माध्यम से योजनाओं की प्रमुख विशेषताओं और उनसे जुड़ी जानकारी को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से एलईडी प्रचार वाहन को जनपद में संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को योजनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

### विकास खंडों और प्रमुख स्थानों पर करेगी भ्रमण

प्रशासन के अनुसार सूचना विभाग मुख्यालय लखनऊ की ओर से जनपद को यह एलईडी प्रचार वाहन उपलब्ध कराया गया है। यह वाहन जिले के सभी विकास खंडों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

### एलईडी स्क्रीन पर दिखाए जाएंगे योजनाओं से जुड़े वीडियो

एलईडी प्रचार वाहन में लगी बड़ी स्क्रीन पर विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों से संबंधित वीडियो और दृश्य सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। इसके जरिए लोगों को योजनाओं की जानकारी सरल और आकर्षक तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशासन का मानना है कि दृश्य माध्यम से दी जाने वाली जानकारी आमजन तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचती है।

# 11 घंटे तक ठप रही बिजली, भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

## जनपद मुख्यालय में रात एक बजे से बाधित आपूर्ति, बहाली का इंतजार करते रहे लोग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भीषण गर्मी के बीच जनपद मुख्यालय क्षेत्र में बिजली आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को सुबह तक भी आपूर्ति बहाल नहीं होने से उपभोक्ताओं में नाराजगी देखने को मिली। जानकारी के अनुसार रात करीब एक बजे से बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जो करीब 11 घंटे बाद भी सामान्य नहीं हो सकी।

लगातार बढ़ते तापमान के बीच बिजली कटौती ने आम लोगों की परेशानियां बढ़ा दीं। घरों में पेयजल आपूर्ति, कूलर और पंखे बंद रहने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं कई क्षेत्रों में दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक बिजली न रहने से सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को हुई। बिजली बहाली को लेकर उपभोक्ता लगातार जानकारी लेने का प्रयास करते रहे, लेकिन आपूर्ति सामान्य होने का इंतजार लंबा होता गया।

एक दिन पहले हुई समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। साथ ही किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया था।

इसी बीच जनपद मुख्यालय में घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि भीषण गर्मी में लंबे समय तक बिजली गुल रहने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

**बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ता बहाली का इंतजार करते रहे। हालांकि समाचार लिखे जाने तक आपूर्ति सामान्य होने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी।**

# 'गलत पढ़ना अनपढ़ होने से ज्यादा खतरनाक'

## सामाजिक परिवर्तन दिवस पर धम्म विशेषज्ञ का बयान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जैतपुर गांव में आयोजित 31वें सामाजिक परिवर्तन दिवस समारोह में सामाजिक बदलाव, शिक्षा और जागरूकता को लेकर विचार साझा किए गए। समारोह में महाराष्ट्र से आए धम्म विशेषज्ञ भंते उपाली उमेश बाबू ने कहा कि गलत जानकारी के साथ पढ़ा-लिखा होना, अनपढ़ होने से भी अधिक खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी बात को बिना परखे स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि समय के साथ मूल विचारों में कई तरह के बदलाव और व्याख्याएं जुड़ती चली गईं, जिससे मूल संदेश प्रभावित हुआ है।

धम्म विशेषज्ञ ने कहा कि समाज में सही समझ और तर्क आधारित सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाषा बदलने से विचार का मूल अर्थ नहीं बदलता, लेकिन गलत व्याख्या और मिलावट से भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने धम्म शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए पाठशालाओं के विस्तार की बात भी रखी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव और कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। कहा गया कि शिक्षा और संगठन सामाजिक परिवर्तन की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। जब तक समाज का हर वर्ग शिक्षित और जागरूक नहीं होगा, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं है।

**मुकाबला :** लीग मुकाबले में ऑलराउंड प्रदर्शन से अकबरपुर टीम का दबदबा

# अंडर-17 क्रिकेट में विशाल क्रिकेट अकादमी की धमाकेदार जीत

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर, अम्बेडकरनगर। क्रिकेट एसोसिएशन अम्बेडकरनगर के तत्वावधान में आयोजित अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट में विशाल क्रिकेट अकादमी, अकबरपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीसीए आजमगढ़ को 59 रन से पराजित कर दिया। मुकाबला विशाल क्रिकेट अकादमी मैदान, अकबरपुर में खेला गया। टूर्नामेंट का आयोजन पाशुपतिनाथ फिलिंग स्टेशन के सहयोग से किया जा रहा है। टीम की पारी में तेज रन गति और साझेदारी ने मजबूत स्कोर खड़ा किया। विशाल क्रिकेट अकादमी के ऑलराउंडर आरव ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 6 ओवर में 4 मेडन रखते हुए मात्र 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

**पहले बल्लेबाजी करते हुए विशाल क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 26 ओवर में 178 रन बनाए। टीम की ओर से चंद्रमोहन वर्मा ने 66 रनों की शानदार पारी खेली। कप्तान विभव सिंह ने 33 रन का योगदान दिया।**

इसके अलावा ऋषि वर्मा ने भी 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। आरव को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

### मैच की शुरुआत और टॉस का फैसला

मैच का शुभारंभ भानमती कॉलेज के संचालक संजय राजभर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान युवा सपा नेता महेंद्र यादव, सपा नेता रक्षाराम यादव और पप्पू यादव मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। टॉस जीतकर डीसीए आजमगढ़ ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।

### लक्ष्य का पीछा करते हुए ढही आजमगढ़ टीम

179 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीसीए आजमगढ़ की टीम 23.4 ओवर में 119 रन पर 9 विकेट खोकर सिमट गई। टीम की ओर से सचिन ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। विशाल क्रिकेट अकादमी के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और विपक्षी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया।

# जलालपुर में सड़क पर कचरा डालने से हालात बिगड़े

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद जलालपुर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर स्थिति बिगड़ती नजर आ रही है। तमसा नदी किनारे लगने वाली मछली मंडी और जलालपुर-बसखारी मुख्य मार्ग पर फैली अव्यवस्था ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क पर ही कचरा डाले जाने से हालात और खराब हो गए हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार मछली मंडी क्षेत्र में पहले से ही भीड़ और यातायात दबाव की समस्या बनी रहती है। मछलियों के अपशिष्ट और उससे उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों को आवाजाही में कठिनाई होती है।

अब नगर पालिका द्वारा सड़क किनारे के साथ-साथ कई स्थानों पर सीधे सड़क पर कचरा डाले जाने से मार्ग संकरा हो गया है। इससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के आवागमन में दिक्कतें बढ़ गई हैं। वाहन चालकों को कचरे के बीच से गुजरना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क पर फैले कचरे से फिसलन और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों का कहना है कि दोपहिया वाहन चालक अक्सर संतुलन बिगड़ने की स्थिति में आ जाते हैं।

स्थानीय दुकानदारों ने भी दुर्गंध और गंदगी को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इससे ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और व्यापार पर असर पड़ रहा है।

# सम्पादकीय

## कर्नाटक में कलह

प्र कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में सरकार का गठन होते ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने जिस तरह पसंदीदा विभाग न मिलने से खफा होकर त्यागपत्र दे दिया, उससे नवगठित सरकार के सामने सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने जैसी स्थिति बन गई है। रामलिंगा रेड्डी को जल संसाधन मंत्रालय दिया गया था, लेकिन वह उन्हें रास नहीं आया। उनका कहना है कि उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग वाला मंत्रालय चाहिए। किसी सरकार में कौन मंत्री बने और उसे कौन सा विभाग मिले, यह तय करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है, लेकिन शायद रामलिंगा रेड्डी को इसकी परवाह नहीं। उन्हें मलाईदार समझे जाने वाला बेंगलुरु विकास विभाग चाहिए। उन्होंने जिस तरह मनचाहे विभाग की मांग करने के स्थान पर सीधे त्यागपत्र दे दिया, उससे यही पता चलता है कि वे यह मान बैठे थे कि उन्हें वही विभाग मिलेगा, जो उनकी प्राथमिकता में है। यदि अन्य मंत्री भी ऐसी ही चाहत रखने लगें तो फिर डीके शिवकुमार के लिए सरकार चलाना कठिन ही होगा। वैसे उनके सामने समस्या केवल रामलिंगा रेड्डी ने ही खड़ी नहीं की। एक अन्य मंत्री जमीर अहमद भी अपने मंत्रालय से नाखुश हैं। उनके समर्थक उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाए जाने के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ और मंत्री भी अपने विभागों से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि किसी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया और कई मंत्री ऐसे हैं, जो बड़े नेताओं के सगे-संबंधी हैं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे भी शामिल हैं।

कर्नाटक में नई सरकार बनते ही जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की समस्या बढ़ाने वाला ही नहीं, पार्टी में गुटबाजी को नए सिरे से उभारने वाला भी है। कर्नाटक का मामला कुछ-कुछ पंजाब की याद दिला रहा है। वहां भी कांग्रेस नेतृत्व की ओर से मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को हटाते ही गुटबाजी चरम पर पहुंच गई थी और फिर ऐसी स्थिति बनी कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा।

फिलहाल कहना कठिन है कि कर्नाटक में क्या होगा, लेकिन जब विधानसभा चुनाव में दो वर्ष शेष रह गए हैं, तब कलह के बीच नई सरकार के लिए ऐसा कुछ कर पाना कठिन होगा, जिससे कर्नाटक की समस्याओं का समाधान हो और कांग्रेस को मजबूती मिले। कर्नाटक का घटनाक्रम पार्टी नेतृत्व की भी मुसीबत बढ़ाने वाला है, क्योंकि यह कांग्रेस शासित एक प्रमुख राज्य है और यह किसी से छिपा नहीं कि यहां भाजपा उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। यह शुभ संकेत नहीं कि जब कर्नाटक की जनता को एक सक्षम सरकार चाहिए, तब डीके शिवकुमार सरकार की शुरुआत कलह से हो रही है।

# मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

> आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो "मिलावट-मुक्त भारत" को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं।

**- ललित गर्ग**

# जीवन के श्रेष्ठ कलाकार

शेक्सपियर ने सही कहा है यह संसार एक रंगमंच का ही प्रकार है और हर स्त्री पुरुष इस रंगमंच पर केवल एक अदाकार है।वह इस संसार रूपी रंगमंच पर कर्मानुसार आता है, अपनी भूमिका निभाता है और चला जाता है। हर कलाकार अपने जीवन काल में कई भूमिकाएं निभाता है और समयानुसार भिन्न-भिन्न भूमिका निभाने अपनी वेशभूषा बदलने जाता है और बदल कर आ जाता है। यों हर कलाकार इस संसार चक्कर में विभिन्न भूमिकाएं निभाता जाता है , चक्कर लगाता रहता है । काव्य में सौंदर्य कल्पना भावों का समाहार होती हैं जो वैचारिकी प्रस्तुति और कलात्मक चितन व नव रस से सराबोर हैं । शब्द कभी भी बोलते नहीं है । वह अपने बंद मुख को कभी खोलते नहीं हैं । हमारे द्वारा जीवन में शब्दों को इज्जत देना है तो लहजे का भी ध्यान रखना होगा । वह शब्दों के साथ ही साथ हमें लहजे का भी मान रखना होगा। जहां इच्छा शक्ति प्रबल होती है, वहां स्वतः ही आत्मबल जाग जाता है । श्रम व संकल्प के अभाव में कभी काम पूरा नहीं होता है इसलिए मन का दृढ़ संकल्प ही कार्य सिद्धि के बीज बोता है । हम अपने जीवन में धैर्य तो रखें पर अति विलंब भी नहीं करें । हम आत्म विश्वास से भरा कोई दीपक जलायें । वह रास्ते में तूफान भी आए तो हम बिलकुल भी नहीं डरें ! हमारे द्वारा किसी भी रचनात्मक काम की जन्मस्थली कल्पना है। पहले हमारे मन में एक योजना की कल्पना उठती है।फिर उसे लिपिबद्ध करने के लिए हमारी कलम चलती है। हमारे द्वारा उस पर अच्छी तरह से चिन्तन मनन होता है। वह तब मानसिकता क्रियान्विति के लिए आगे बढती है। इस पृष्ठभूमि को हम तकनीकी भाषा में सृजनात्मक कल्पनाशीलता कहते हैं । इसी के सहारे बड़े से बड़े, छोटे से छोटे काम सारे क्रियान्वित होते हैं। इस तरह की सृजनात्मक कल्पनाशीलता को कर्मशील जीवन का एक अहम पहलू कह सकते हैं। वह इसके बिना प्राप्त सफलता को एक इत्तेफाक ही समझते हैं। कलात्मक बोलना तो एक कला है ही पर किसी को सुनना भी वैसे ही एक असरदार कला हैं । जो बोलने की कला से कठिन है पर बोलने की कला से कहीं ज्यादा प्रभाव पैदा करने वाली कला है । वह जब कोई व्यक्ति किसी को पूरे ध्यान से सुनता है तो बोलने वाला खुलने लगता है।

**> प्रदीप छाजेड़**

## आज एक विचित्र...

विद्यावाचस्पति उदयराज मिश्र, शिक्षाविद

# ज्ञान को सूचना में बदलते यूट्यूबर शिक्षक

शिक्षा एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है।जिसके अंतर्गत जीवनपर्यंत सीखने का क्रम चलता रहता है।किंतु विगत एक दशक में शिक्षा-जगत में नवाचारों के नाम पर जितना बड़ा परिवर्तन हुआ है, उतना शायद पिछले कई दशकों में भी नहीं हुआ था। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने ज्ञान के स्रोतों को लोकतांत्रिक बना दिया है। आज किसी भी विषय का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी को न तो किसी पुस्तकालय की अनिवार्यता है और न ही किसी विशेष संस्थान की। एक क्लिक पर सैकड़ों यूट्यूबर शिक्षक उसके सामने उपस्थित हो जाते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यूट्यूबर शिक्षक परम्परागत कक्षा-शिक्षकों का स्थान ले रहे हैं? क्या संप्रेषण की आधुनिक तकनीक ने गुरु की भूमिका को सीमित कर दिया है?क्या यूट्यूबर शिक्षक ही गुरुओं की भूमिकाओं की भी प्रतिपूर्ति कर सकते हैं?आदि आदि यक्ष प्रश्न आज देश के समक्ष विमर्श के बिंदु और विचारणीय विषय बनकर उभरे हैं।

वस्तुतःइन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें शिक्षा और संप्रेषण के वास्तविक स्वरूप को समझना होगा।

यूट्यूबर शिक्षकों की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण उनकी प्रस्तुति-कौशल है,उनका मजाकिया अंदाज है,उनकी विशिष्ट वेशभूषा और लहजा है। वे जानते हैं कि डिजिटल युग का

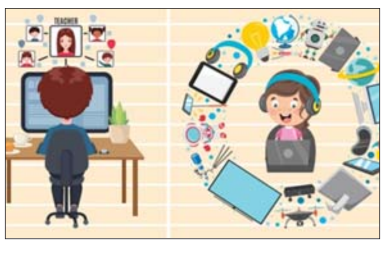

विद्यार्थी क्या देखना और सुनना चाहता है। आकर्षक ग्राफिक्स, एनिमेशन, संक्षिप्त व्याख्या, परीक्षा-उन्मुख सामग्री और सरल भाषा के कारण उनके वीडियो लाखों विद्यार्थियों तक पहुँचते हैं। एक शिक्षक की आवाज़, जो पहले एक कक्षा तक सीमित थी, आज पूरे देश और विश्व तक पहुँच रही है। यह शिक्षा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है।

किन्तु शिक्षा का प्रश्न केवल पहुँच का नहीं, प्रभाव का भी है। ज्ञान को सूचना में बदलना सरल है, परंतु सूचना को विवेक में परिवर्तित करना कठिन है। यहीं पर कक्षा-शिक्षक की भूमिका प्रारम्भ होती है।

यूट्यूब पर पढ़ाने वाला शिक्षक प्रायः विद्यार्थियों को देख नहीं सकता।यह शिक्षा एकांगी है,जोकि वास्तविकता से कोसों दूर होती है।वह श्रोताओं की आँखों में उठते प्रश्नों को नहीं पढ़ सकता, उनकी मानसिक स्थिति को नहीं समझ सकता और न ही उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को ढाल सकता है। उसका संप्रेषण तकनीकी दृष्टि से प्रभावी अवश्य होता है, परन्तु मानवीय दृष्टि से सीमित रहता है। वह हजारों विद्यार्थियों को संबोधित करता है, किन्तु किसी एक विद्यार्थी के जीवन को निकट से स्पर्श नहीं कर पाता।कदाचित यही एकांगीपन ही उसके शिक्षण कौशल और संप्रेषण की विफलता भी कहा जा सकता है।

इसके विपरीत कक्षा-शिक्षक केवल विषय नहीं पढ़ाता, बल्कि व्यक्तित्व गढ़ता है। वह विद्यार्थियों को अनुशासन, उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और सामाजिक व्यवहार भी सिखाता है। उसके शब्दों से अधिक उसका आचरण शिक्षा देता है। विद्यार्थी उसके व्यक्तित्व से प्रेरणा ग्रहण करता है। यही कारण है कि इतिहास में महान व्यक्तियों ने अपने गुरुओं को याद रखा है, यूट्यूब चैनलों को नहीं।

आज एक विचित्र प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही है। कुछ लोग यूट्यूबर शिक्षकों की लोकप्रियता को परम्परागत शिक्षकों की विफलता के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह दृष्टिकोण न तो न्यायपूर्ण है और न ही यथार्थपरक। वास्तव में यूट्यूबर शिक्षक भी उसी परम्परागत शिक्षा व्यवस्था की देन हैं। जिन शिक्षकों से उन्होंने सीखा, उन्हीं के ज्ञान को वे डिजिटल माध्यम से आगे पहुँचा रहे हैं। अतः दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि निरंतरता का संबंध है।

निस्संदेह यह भी स्वीकार करना होगा कि परम्परागत शिक्षकों के लिए यह एक चुनौती का समय है। केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ा देना अब पर्याप्त नहीं है। यदि विद्यार्थी के मोबाइल में विश्वभर का ज्ञान उपलब्ध है, तो शिक्षक को अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। उसे ज्ञानदाता से आगे बढ़कर मार्गदर्शक, प्रेरक और चिंतक बनना होगा। उसे तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसका सृजनात्मक उपयोग करना होगा।

# बागपत के गांव-गांव तक परिवारों को मिला चिकित्सा सुरक्षा का मजबूत आधार

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और शहरी अंचलों में रहने वाले लाखों परिवारों के लिए बीमारी कभी भी केवल शारीरिक कष्ट तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह एक गहरे मानसिक और आर्थिक भय का कारण बनी रही है। अस्पताल के भारी-भरकम बिलों का डर, आकस्मिक परिस्थितियों में कर्ज लेने की विवशता और जीवन रक्षा के बीच किसी एक को चुनने का कठिन धर्मसंकट हमेशा से आम नागरिकों की स्थिरता को प्रभावित करता रहा है। इस संवेदनशील परिस्थिति को पूरी तरह बदलने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के समन्वय से संचालित आयुष्मान भारत योजना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरदर्शी नीति के रूप में धरातल पर काम कर रही है। यह व्यवस्था महज एक सरकारी योजना न होकर राज्य के प्रत्येक पात्र नागरिक के लिए चिकित्सा सुरक्षा का एक मजबूत आश्वासन और सम्मान का प्रतीक सिद्ध हो रही है। इस योजना की बदौलत आज जनपद-बागपत में तस्वीर बदल रही है और अब लोग चिकित्सा आवश्यकताओं को लेकर मानसिक रूप से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस योजना के लागू होने से सबसे बड़ा गुणात्मक परिवर्तन यह आया है कि अब धन के अभाव में इलाज में होने वाली जानलेवा देरी पूरी तरह समाप्त हो गई है। पूर्व में अक्सर यह देखा जाता था कि खर्च के डर से लोग छोटे लक्षणों को नजरअंदाज करते थे जो बाद में गंभीर बीमारी का रूप ले लेते थे। अब इस योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों के व्यापक नेटवर्क के कारण नागरिक बिना किसी संकोच के समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर रहे हैं। समय रहते उपचार मिलने से न केवल अनमोल जीवन की रक्षा हो रही है बल्कि चिकित्सा के दौरान उत्पन्न होने वाली शारीरिक जटिलताएं भी न्यूनतम हो रही हैं। इसके साथ ही यह योजना परिवारों को उस भारी वित्तीय तनाव से भी मुक्ति दे रही है जिसके कारण लोगों को अपनी जमीन या अन्य संपत्तियां गिरवी रखनी पड़ती थीं क्योंकि इस पूरी व्यवस्था में मरीज से कोई अग्रिम भुगतान या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं लिया जाता है।

भारत सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को वह सुरक्षा दी है, जिसकी उन्हें लंबे समय से जरूरत थी। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी और निजी दोनों प्रकार के अस्पतालों में यह सुविधा मिलने से अब इलाज केवल अमीरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचने लगा है। बागपत में इस योजना का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां हजारों परिवारों ने इसका लाभ उठाकर अपने जीवन को नई दिशा दी है।

जनपद-बागपत के बड़ौत क्षेत्र की निवासी श्वेता की कहानी इस बदलाव को सबसे गहराई से दर्शाती है। कूल्हे के जोड़ की गंभीर समस्या के कारण उनका चलना-फिरना लगभग बंद हो गया था। दर्द इतना बढ़ गया था कि उनका सामान्य जीवन भी कठिन हो गया था। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन जरूरी है और इसकी लागत करीब 2 लाख रुपये होगी। यह रकम उनके परिवार के लिए असंभव थी और घर में चिंता का माहौल था। लेकिन इसी बीच आयुष्मान कार्ड उनके लिए उम्मीद बनकर आया। उन्हें सूचीबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क किया गया। आज श्वेता स्वस्थ हैं, अपने पैरों पर खड़ी हैं ।

## जरा हटके

## इस योजना के...

निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

# दुग्ध उत्पादन, ग्रामीण समृद्धि और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नन्द बाबा दुग्ध मिशन बना आर्थिक सम्बल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, किसानों एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने तथा प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से "नंद बाबा दुग्ध मिशन'' को एक महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी पहल के रूप में संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दुग्ध विकास को ग्रामीण समृद्धि का मजबूत आधार मानते हुए पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र को नई दिशा प्रदान कर रही है। यह मिशन न केवल दुग्ध उत्पादन बढ़ाने का माध्यम बन रहा है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार सृजन, सहकारिता विस्तार और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव भी तैयार कर रहा है।

नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत प्रदेश में उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली स्वदेशी गायों-गिर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। "मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना" के माध्यम से प्रदेश सरकार पशुपालकों को इन नस्लों की गायों के पालन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। योजना के तहत महिला पशुपालकों को विशेष प्राथमिकता देते हुए 50 प्रतिशत अनुदान अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्वदेशी नस्ल आधारित डेयरी गतिविधियों से जोड़कर स्थायी आय का स्रोत विकसित करना है। प्रदेश में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक विभिन्न योजनाओं में 9255 से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन योजना के अंतर्गत पशुपालकों को केवल गाय क्रय हेतु ही नहीं, बल्कि आधुनिक पशुपालन के लिए आवश्यक संसाधनों हेतु भी सहायता प्रदान की जा रही है। इसमें पशु शेड निर्माण, चारा काटने की मशीन, साइलेज यूनिट, पशु बीमा, खनिज मिश्रण, पशु आहार तथा अन्य डेयरी उपकरणों को शामिल किया गया है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पशुपालकों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक डेयरी प्रबंधन की सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि हो सके।

इस योजना के लिए न्यूनतम दो स्वदेशी गायों की इकाई निर्धारित की गई है, जिससे छोटे एवं सीमांत पशुपालकों को भी डेयरी व्यवसाय से जोड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए ग्राम स्तर पर आवेदन प्रक्रिया संचालित की जा रही है। आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समयसीमा के भीतर चयन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। योजना में लाभ लेने के लिए आवेदन की समयसीमा 45 दिन निर्धारित की गई है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से लाभ उपलब्ध कराया जाता है।

प्रदेश सरकार ने दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना" भी लागू की है। इसके तहत उच्च गुणवत्ता वाला दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को 10 हजार रुपये अथवा 15 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं। योजना का उद्देश्य पशुपालकों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने, पशुओं की बेहतर देखभाल करने तथा गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित करना है।

दुग्ध सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश सरकार गांव स्तर पर "प्राथमिक बहुउद्देशीय दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों" का व्यापक गठन कर रही है। इन समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें सीधे बाजार एवं दुग्ध प्रसंस्करण व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। प्रत्येक समिति के माध्यम से गांव स्तर पर दुग्ध संग्रहण, गुणवत्ता परीक्षण तथा विपणन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों को बिचौलियों से मुक्त कर उचित मूल्य दिलाना प्रमुख है।

इस मिशन के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26 तक बड़े स्तर पर दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में 3201 नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया गया है। वर्ष 2026-27 में 4000 से अधिक अनाच्छादित ग्राम पंचायतों को दुग्ध सहकारिता नेटवर्क से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है। सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक समिति वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन और आधुनिक दुग्ध विपणन प्रणाली से जुड़ी हो।

मिशन के तहत दुग्ध समिति के गठन हेतु कम से कम 40 दुग्ध उत्पादक यदि अपना दुग्ध समिति को विक्रय करना चाहते है और उनका दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 70 लीटर अथवा उससे अधिक हो। ऐसे समूहों को दुग्ध संग्रहण केंद्र, परिवहन सुविधा तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। समिति के कार्यसंचालन के लिए सभी आवश्यक उपकरण और साधन सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाते है। प्रदेश सरकार द्वारा डेयरी क्षेत्र में आधुनिक अवसंरचना के विकास पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों, चिलिंग प्लांट, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा शीत श्रृंखला प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है। इससे दुग्ध की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ किसानों को समय पर भुगतान और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है।

■ यह कार्रवाई स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज करने के बाद दो घंटे के अंदर बिजली बहाल न करने की लापरवाही पर की गई है।

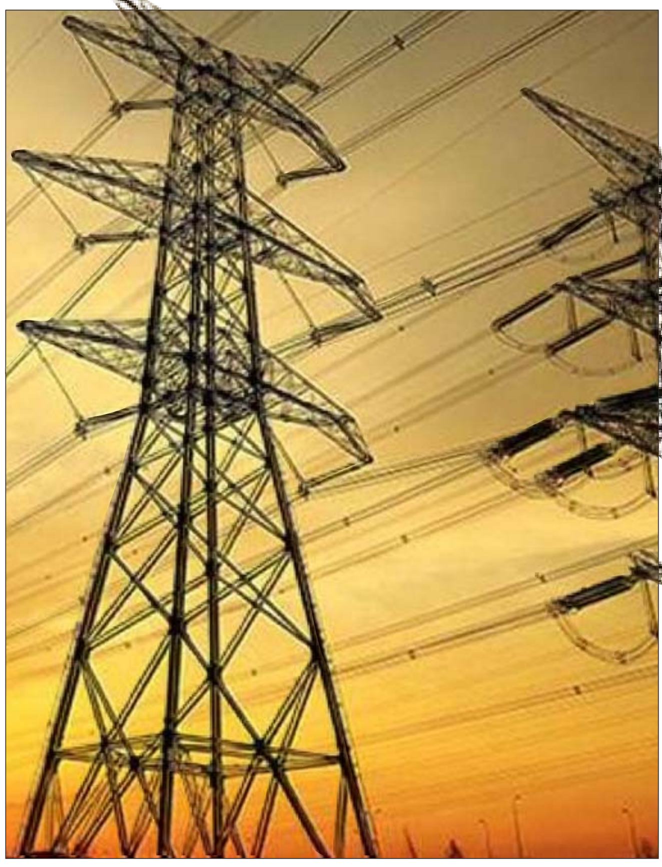

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के हक में फैसला, कई दिन अंधेरे में रखा था, जुर्माने की राशि 15 दिनों के अंदर आयोग में जमा करने के आदेश

# यूपी में बिजली विभाग पर 7.18 लाख का जुर्माना

**फैसला**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में बिजली विभाग के लिए स्मार्ट मीटर गले की फांस बन चुका है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (UPERC) ने शुक्रवार को यूपी पावर कॉरपोरेशन (UPPCL) पर 7.18 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की दो सदस्यीय पीठ ने जुर्माने की राशि 15 दिनों के अंदर आयोग में जमा करने के आदेश दिए हैं।

उपभोक्ता परिषद ने इस मामले में UPERC (स्टैंडर्ड ऑफ परफॉर्मेंस) रेगुलेशन 2019 का उल्लंघन बताते हुए आयोग में याचिका दायर की थी। आयोग ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि बिजली विभाग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर उपभोक्ता सेवाओं में गंभीर लापरवाही बरती है। नियम के मुताबिक रिचार्ज के दो घंटे के अंदर बिजली बहाल होनी चाहिए थी, लेकिन बिजली कंपनियां इस मानक पर खरी नहीं उतरीं।

आयोग ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 142 एवं 57 के तहत प्रति उल्लंघन 1 लाख रुपए और प्रतिदिन की देरी पर 6,000 रुपए के हिसाब से कुल 7 लाख 18 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने कहा कि यह स्थिति "रूट कॉज एनालिसिस" की जरूरत को दर्शाती है, ताकि भविष्य में ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। आयोग ने UPPCL के प्रबंध निदेशक से 15 दिनों में विस्तृत जवाब भी तलब किया है।

### मार्च-अप्रैल में मचा था हाहाकार

मार्च 2026 में बिजली विभाग ने बिना उपभोक्ताओं की सहमति के लाखों स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड में बदल दिया था। बैलेंस माइनस होते ही एक साथ प्रदेश के करीब 5 लाख घरों की बिजली काट दी गई। उपभोक्ताओं ने मीटर रिचार्ज करा लिया, लेकिन कई घरों में बिजली चालू होने में 15 दिन तक लग गए। इस घटना को लेकर मार्च और अप्रैल में पूरे प्रदेश में भारी आक्रोश और हंगामा हुआ था।

■ ये तस्वीर आगरा की है। एक महीने पहले यहां स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन किया था।

> "बिजली विभाग की मनमानी के चलते 13 मार्च से 10 अप्रैल के बीच 16 दिनों में कुल 40 लाख 27 हजार 307 उपभोक्ताओं की बिजली काट दी गई थी। इनमें से 18 लाख 78 हजार 385 घरों की बिजली रिचार्ज के आधे घंटे के अंदर चालू हो गई।

**फास्ट न्यूज**

### लखनऊ में पूर्व मेयर पर 10-12 कुत्तों का हमला

लखनऊ। आवारा कुत्तों के हमले में शहर के पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी घायल हो गए हो गए हैं। कुत्तों के एक झुंड ने हमला कर उनके पैर और पीठ में कई जगह काटकर दांत गड़ा दिए हैं। इस मामले की शिकायत उन्होंने नगर निगम में की। नगर निगम ने कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम भेजी है। पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी अलीगंज इलाके में आने वाले महाकवि जयशंकर प्रसाद वार्ड वार्ड के सेक्टर क्यू चौराहा के पास रहते हैं।

### दीवार फांदकर घुसे चोर, पूरा घर खंगाल ले गए

दुबग्गा । काकोरी थाना क्षेत्र के सकरा गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने एक घर का सारा कीमती सामान चुरा लिया। लाखों के गहने पार कर दिए। दीवार फांदकर अंदर घुसे थे, फिर अंदर से गेट खोलकर गहने, कपड़े और मोबाइल फोन चुराकर भाग गए। पीड़ित के घर की अलमारी पास के मैदान में मिली है। पीड़ित मकान मालिक के अनुसार, चोरों ने उनके घर की भरी अलमारी उठा ले गए थे। मैदान में उसका ताला तोड़कर पूरी अलमारी खंगाल ली। इसमें लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और तीन मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। सुबह परिवार के जागने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

### बिना मास्टर प्लान के है 177 वर्ग किमी क्षेत्र

गोरखपुर । गोरखपुर विकास प्राधिकरण की पुनरीक्षित महायोजना-2031 को लागू हुए 2 साल बीत चुके हैं लेकिन अभी तक विस्तारित क्षेत्र का मास्टर प्लान (महायोजना) नहीं बन सका है। लंबी कवायद के बाद मार्च 2024 में एरिया आफ इंटरेस्ट पर आधारित लगभग 540 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए महायोजना 2031 को कई समस्याओं का निस्तारण किए बिना लागू कर दिया गया लेकिन 177 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आज भी बिना महायोजना के है।

## केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर श्रमिक जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर '12 साल विश्वास के, विकास के, जन-कल्याण के' अभियान के अंतर्गत 05 जून से 21 जून 2026 के मध्य प्रदेश में समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ब्लॉक-मलिहाबाद में उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार, श्रमिक पंजीयन, पात्र श्रमिकों के योजनाओं में आवेदन हेतु ब्लॉक स्तर पर स्टॉल/कैंप का आयोजन किया गया। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि श्रमिक पंजीयन एवं योजना प्रचार प्रसार हेतु लेबर अड्डा-तेलीबाग, लखनऊ में प्रातः उपस्थित होकर श्रमिकों को उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण, नवीनीकरण एवं बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। असंगठित क्षेत्र के पात्र श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (PM-SYM) तथा लघु-व्यापारी मानधन योजना (NPS-Trader) आदि हेतु जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक सुरक्षा पर कार्यशाला कारखाना प्रभाग के अधिकारियों द्वारा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 पर जिला स्तरीय कार्यशाला, सुरक्षा ऑडिट एवं दुर्घटना निवारण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। महिला सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल तथा महिला श्रमिक सुरक्षा एवं POSH जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना को गति देने के लिए मंत्री ए.के. शर्मा ने की समीक्षा बैठक

# सौर ऊर्जा क्रांति में उत्तर प्रदेश को देश में नंबर-1 बनाने का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक शीघ्रता से पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंकों एवं वेंडरों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए योजना के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

सर्किट हाउस सभागार, वाराणसी में आयोजित पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने योजना की प्रगति, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वाराणसी जनपद में कार्यरत वेंडरों से सीधे संवाद कर जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की तथा उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। पात्र आवेदकों से केवल आवश्यक दस्तावेज ही लिए जाएं तथा बिना उचित कारण किसी भी आवेदन को अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने कहा कि आसान वित्तीय सहायता योजना की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

■ शर्मा ने यूपीनेडा द्वारा अप्रैल एवं मई माह में सौर ऊर्जा स्थापना के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष श्रेणी में स्थान प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय वेंडरों, उपभोक्ताओं, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों को देते हुए सभी को बधाई दी।

### मीटरों का कॉन्फिगरेशन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए

मंत्री शर्मा ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि प्री-कॉन्फि-गर्ड मीटरों की स्थापना में तेजी लाई जाए तथा पहले से स्थापित मीटरों का कॉन्फिगरेशन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब योजना की गति को प्रभावित करता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर भ्रम फैलाने वालों पर कार्रवाई की अपील की

# अंबेडकर महासभा के ऐतिहासिक स्थल अस्थि कलश एवं बोधि वृक्ष के संरक्षण की उठी मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा मार्ग स्थित तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा के समक्ष स्थापित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा के ऐतिहासिक एवं श्रद्धा केंद्र स्वरूप स्थल के संरक्षण की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक एवं अंबेडकरवादी संगठनों ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

ज्ञातव्य है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा लगभग 40 वर्षों से स्थापित है। इसके निकट ही विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालय भी लंबे समय से संचालित हैं। महासभा परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अस्थि कलश, बौद्ध स्तूप, बाबा साहब की प्रतिमाएं, धर्मचक्र, विशाल बोधि वृक्ष एवं पुस्तकालय स्थापित हैं। इस परिसर का समय-समय पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश, पूर्व प्रधानमंत्रियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अवलोकन किया जा चुका है तथा यह स्थल देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए आकर्षण एवं श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। सामाजिक संगठनों ने बताया कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी बाबा साहब की जयंती (14 अप्रैल) एवं महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) के अवसर पर अनेक बार महासभा परिसर में आकर श्रद्धासुमन अर्पित कर चुके हैं तथा जनसभाओं को संबोधित भी करते रहे हैं। इससे अंबेडकरवादी समाज एवं बुद्धिजीवी वर्ग में उनके प्रति सम्मान और विश्वास की भावना रही है। मुख्यमंत्री जी से यह अपील करने वालों में राम लोट, डॉ. बी.पी. अशोक, के.के. गौतम, दयाशंकर बौद्ध, डॉ. राजाराम आनंद, प्रो. रामबख्श सिंह वर्मा, साहब सिंह धनगर, भैया जी, भारत सिंह पंकज, इंजीनियर भीमराज, आर.के. गौतम, रामलखन यादव, जीतलाल सैनी, शक्ति कृष्ण त्रिपाठी, दशरथ मौर्य, प्रमोद कुमार, राधेश्याम, सुरेश चंद गौतम, पी.सी. कुरील, लाखन सिंह जाटव, श्रवण कुमार, डॉ. भगवान दास निगम, जनक प्रसाद तथा दिनेश सिंह पटेल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी शामिल रहे।

> संगठनों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि डॉ. अंबेडकर महासभा परिसर में स्थापित अस्थि कलश, बोधि वृक्ष, प्रतिमाएं, धर्मचक्र एवं पुस्तकालय को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया जाए तथा भ्रम फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही आमजन को पूर्ववत दर्शन एवं अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

### महासभा परिसर को हटाने संबंधी बयान दिए गए

बताया गया कि 14 अप्रैल 2026 को आयोजित जयंती समारोह के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा महासभा परिसर को हटाने संबंधी बयान दिए गए, जिसके बाद समाज में भ्रम एवं आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विभिन्न संगठनों का कहना है कि यह स्थल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी गरिमा एवं संरचना को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जानी चाहिए।

# केओएस द्वारा दी गई एक शानदार प्रस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आईआईटी कानपुर का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, (अंतराग्नि', भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रतिष्ठित छात्र-संचालित सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है। संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्य और ललित कलाओं के विविध संगम के माध्यम से देश भर के हजारों प्रतिभागियों को एक साथ लाने के लिए प्रसिद्ध, अंतराग्नि छह दशकों से अधिक समय से रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और सामाजिक प्रभाव के एक मंच के रूप में कार्य कर रहा है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए,) (अंतराग्नि'26 ने विश्व पर्यावरण दिवस) के उपलक्ष्य में (5 जून 2026) को (लुलु मॉल, लखनऊ) में अपने प्रतिष्ठित (फ्लैशमॉब'26) का आयोजन किया।

इस आयोजन ने आगंतुकों और खरीदारों (शॉपर्स) की एक बड़ी भीड़ को आकर्षित किया, जिससे उत्साह, ऊर्जा और जागरूकता से भरा माहौल बन गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण (आईआईटी कानपुर के डांस क्लब, KOS) द्वारा दी गई एक शानदार प्रस्तुति थी। छात्रों ने उच्च ऊर्जा वाले नृत्य प्रदर्शनों की एक श्रृंखला पेश की, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और मॉल को प्रतिभा व उत्साह के एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। उनकी कोरियोग्राफी के बेहतरीन तालमेल और संक्रामक ऊर्जा ने सभी आयु वर्ग के दर्शकों से व्यापक सराहना बटोरी।

**आरोप :** कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना

# 'भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल'

■ जनता 2027 में अहंकार का करेगी अंत

■ भाजपा नेताओं की भाषा असंसदीय और अमर्यादित - अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार से लेकर संगठन तक के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं की भाषा बेहद अभद्र और असंसदीय हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी दलों के नेताओं ने अपने नौ साल के कार्यकाल में विकास के बजाय भेदभाव और नफरत फैलाने का काम किया है। शनिवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है और आए दिन जघन्य अपराध तथा हत्याओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है और लगभग हर विभाग में लूट मची हुई है। थाना और तहसील भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं, जहां आम जनता को न्याय और सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है। सपा प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त दवाएं और समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। दवाओं की खरीद और वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं तथा घोटालों की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।

### भाजपा द्वारा किए गए वादों पर कोई ठोस जवाब नहीं

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री और सरकार के मंत्रियों के पास जनता से जुड़े मुद्दों तथा भाजपा द्वारा किए गए वादों पर कोई ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में संभावित हार के डर से भाजपा नेता और सहयोगी दलों के प्रतिनिधि अमर्यादित भाषा और अलोकतांत्रिक व्यवहार पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को अपने पद की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन भाजपा के कई नेता स्वयं ही पदों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान दे रहे हैं। उनके अनुसार, सरकार के पास जनहित में करने के लिए न तो कोई नई योजना है और न ही कोई स्पष्ट सोच दिखाई देती है।

> किसानों के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा केवल चुनावी नारा बनकर रह गया है। किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार समय पर पंचायत चुनाव कराने में भी विफल रही, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता सरकार की कार्यशैली को बारीकी से देख रही है और आगामी विधानसभा चुनाव में उसका जवाब देगी।

# राज्य ग्राम्य विकास संस्थान एवं अधीनस्थ प्रशिक्षण संस्थानों में व्यापक वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

### सौरभ बाबू के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा सुबोध दीक्षित के निर्देशन में संपन्न कार्यक्रम

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस( 5 जून)के अवसर पर प्रदेशभर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग एवं महानिदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान श्री सौरभ बाबू के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा अपर निदेशक श्री सुबोध दीक्षित के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संस्थान मुख्यालय सहित संस्थान के अधीन संचालित प्रदेश के सभी 50 क्षेत्रीय एवं जिला ग्राम्य विकास संस्थानों में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। संस्थान मुख्यालय परिसर में प्र0 अपर निदेशक श्री सुबोध दीक्षित की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पारम्परिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों के पौधे रोपित किए गए।

इस अवसर पर श्री सुबोध दीक्षित ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने पारम्परिक वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण एवं भूजल संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण एवं विकास कार्यों के बीच वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे तथा रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

## डिंपल बोलीं- सैफई में शंकराचार्य का स्वागत किया, शिवपाल ने कहा- लड़ाई में हम आपके साथ

# हम यादव वंशी, गाय हमारी माता है : डिंपल

**बयान**

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा । शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की यात्रा सैफई पहुंची। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने शंकराचार्य का स्वागत किया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

डिंपल यादव ने कहा- हम यादव वंशी लोग हैं। गाय हमारे लिए हमेशा से पूज्य रही है। उसे बचाने के लिए जो भी बन पड़ेगा, हम लोग करेंगे। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आपकी इस लड़ाई में हम पूरे तरीके से साथ खड़े हैं। शुक्रवार को मैनपुरी में डिंपल यादव ने शंकराचार्य के सामने माथा टेका था। कन्नौज में शंकराचार्य को सड़क पर रात बितानी पड़ी थी, इसके लिए डिंपल ने उनसे माफी मांगी थी। शिवपाल यादव ने कहा- जो देश-प्रदेश और राष्ट्र के साथ धोखा कर रहे हैं, आपकी अगुवाई में इन सबका नाश होना चाहिए। हम भगवान से यही प्रार्थना करेंगे। पहले हम लोग सुना करते थे कि भ्रष्टाचार नीचे से चलता था। आज ऊपर से भ्रष्टाचार पूरे प्रदेश में चल रहा है। गरीबों की कोई सुनने वाला नहीं, किसानों की कोई सुनने वाला नहीं। हमारा प्रदेश इस कुशासन से परेशान है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 3 जून को अपनी यात्रा के तहत कन्नौज पहुंचे थे।

ससुर शिवपाल यादव के साथ सांसद डिंपल यादव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का आशीर्वाद लेने पहुंचीं।

### आदित्य और तेज प्रताप यादव भी रहे साथ

शनिवार को सैफई के एक प्राइवेट स्कूल के परिसर में कार्यक्रम हुआ। इसमें सांसद आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव, अभयराम यादव समेत कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थल पर लगी भगवान श्रीकृष्ण की 60 फीट ऊंची प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

> डिंपल यादव ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मंच पर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि सैफई में हम आपका अभिनंदन करते हैं, आपको प्रणाम करते हैं, आपको नमन करते हैं। पूरे सैफई के लोग आज यहां उपस्थित हैं। करहल, जसवंतनगर, किशनी से भी लोग आए हैं। आना तो बहुत लोग चाहते थे, पर हॉल छोटा है। बड़ा है, लेकिन फिर भी छोटा है।

### अविमुक्तेश्वरानंद बोले- मोटे लिफाफे ने बदला मन

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- आज अगर कोई गाय की हत्या को बढ़ावा दे रहा है, तो वह कोई और नहीं बल्कि यही लोग हैं। यह जो पाप किया जा रहा, उसके पीछे वह मोटा लिफाफा है। जो इन्हें स्लाटर हाउस से मिल रहा है। उसी मोटे लिफाफे ने इनके हृदय को पूरी तरह बदल दिया है। 28 फरवरी, 2016 को जंतर-मंतर पर हम लोगों ने इसी आंदोलन की शुरुआत की थी। वही आंदोलन, जो आज भी चल रहा है। उस समय भी हमने गहरी चिंता व्यक्त की थी कि गाय को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा मिलना ही चाहिए। सरकार ऐसा नहीं करके बहुत गलत कर रही है।

### डिंपल बोलीं- हम यादव वंशी लोग हैं, गाय हमारी मां

डिंपल ने कहा- अगर ज्यादा लोगों को बुला लेते, तो लोग सही से बैठ नहीं पाते। इसीलिए आपके वचन सुनने के लिए हम लोगों ने सबको यहां बुलाया है। बहुत उत्साहपूर्वक सभी लोग आए हैं। आपका जो ये मिशन है, गाय को बचाने का, तो मैं आपसे कहना चाहूंगी कि हम यादव वंशी लोग हैं।

## शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के मठ में चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद विद्यामठ में 24 अप्रैल को हुई चोरी की घटना का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद हुआ है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से पीतल का लोटा, चांदी की टूटी हुई गदा का ऊपरी हिस्सा, चांदी के तीन मुकुट, चांदी की एक चैन, उसका एक टुकड़ा तथा 1,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

एसीपी गौरव कुमार ने बताया कि 24 अप्रैल 2026 की रात शंकराचार्य घाट स्थित श्रीविद्या मठ के श्री हनुमान मंदिर में चोरी हुई थी। मामले में मुख्य आरोपी राजू खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ चोरी का माल खरीदने वाले दो सुनारों को भी गिरफ्तार किया गया है।

**तीनों ने मिलकर चांदी के मुकुट और आभूषण चुराए थे, सीसीटीवी से हुई पहचान**

तीनों आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है। वारदात के बाद से ही पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पहले ही ट्रेस कर लिया था, लेकिन शातिर चोर मोबाइल फोन बंद कर फरार चल रहा था और किसी के संपर्क में नहीं था। अस्सी चौकी प्रभारी नवीन कुमार चतुर्वेदी और सर्विलांस सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी राजू खान को रत्नाकर पार्क के पास से गिरफ्तार किया।

**फास्ट न्यूज**

### नगर-निगम सदन में गूंजा वॉर्डों में मजदूर-मिस्त्री का मुद्दा

वाराणसी। वाराणसी के नगर निगम के सदन में शनिवार को अहम मुद्दों पर बैठक हो रही है। जिसमें मानसून से पहले सीवर, सड़क, खड़ंजा, पेयजल और कुओं की सफाई का मामला गरमाया हुआ है। वहीं हर वार्ड में स्थित साफदफाई चौकी पर दो मजदूर और एक मिस्त्री की आवश्यकता को आज तक पूरा नहीं किये जाने के मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष आमने- सामने आ गया और जमकर बहस हुई।

### कांग्रेस नेता के इंजीनियर बेटे का शव होटल में मिला

कानपुर । कानपुर में शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता के इकलौते इंजीनियर बेटे का शव होटल में फंदे से लटका मिला। स्टाफ की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान कमरे से सिगरेट के फिल्टर और शराब की बोतल बरामद हुई है। साथ ही सामने आया कि बुर्का पहने किसी लड़की के साथ होटल में आया था, लेकिन बाद में वह चली गई थी। पुलिस अब लड़की के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर से उसकी तलाश कर रही है। जिससे पूछताछ करके पूरे मामले की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

### रील के चक्कर में कार पलटी, युवक की मौत

कानपुर । कानपुर में रील बनाने के जुनून ने एक युवक की जान ले ली, जबकि उसके चार दोस्त घायल हो गए। दरअसल, एक्सयूवी 3XO में सवार पांच दोस्त रील शूट कर रहे थे। स्टंट के दौरान मोड़ पर अचानक कार अनियंत्रित होकर एक गड्ढे में पलट गई। हादसे के समय सनरूफ पर बैठा युवक कार के नीचे दब गया, जबकि उसके चार साथी वाहन के अंदर फंस गए।

# मोदी और योगी की सरकार तानाशाह : संजय सिंह

## 'डबल इंजन' की सरकार देशभर में पेपर लीक को बढ़ावा दे रही है

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रयागराज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार देशभर में पेपर लीक को बढ़ावा दे रही है, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। संजय सिंह ने दावा किया कि नीट से लेकर उत्तर प्रदेश की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं तक लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र-छात्राएं कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन पेपर लीक के कारण उनका भविष्य अधर में लटक जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं से परेशान युवाओं की जवाबदेही तय करने के बजाय सवाल उठाने वालों पर कार्रवाई कर रही है।

आप सांसद ने प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को भी गलत ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्किट हाउस में छात्रों से मुलाकात के दौरान पुलिस ने आशुतोष पांडेय और संजय पांडेय नामक छात्रों को हिरासत में लिया और बाद में जेल भेज दिया। इसके चलते दोनों छात्र लंबे समय बाद आयोजित टीजीटी भर्ती परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। संजय सिंह ने कहा कि प्रशासन को नियमों के अनुसार उन्हें परीक्षा दिलानी चाहिए थी।

इस मामले को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई है और अब कोर्ट के आदेश का इंतजार किया जा रहा है। संजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर 'तानाशाही रवैया' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्र आंदोलन अब और तेज किया जाएगा तथा पूरे प्रदेश में पेपर लीक के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।

## प्रयागराज में बोली- उसने मेरे साथ गंदा काम किया, 5 दिन बाद होश आया

# चाचा ने भतीजी को मिट्टी का तेल छिड़ककर जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में 14 साल की एक लड़की को उसके ही चाचा ने मिट्टी का तेल छिड़ककर जला दिया। एसआरएन अस्पताल में मौत से लड़ रही पीड़िता को पांच दिन बाद होश आया। दर्द से कराहती लड़की ने पुलिस को बताया कि चाचा ने उसके साथ गलत काम किया। वो उसे गलत तरीके से छूते थे। कई दिनों तक भूखा रख कर प्रताड़ित करते थे।

लड़की ने बताया कि जब उसने चाचा की गलत हरकतों का विरोध किया, तो उसने मिट्टी का तेल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया। इसमें चाची ने भी उसका साथ दिया। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने 4 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। घटना शिवकुटी थाना क्षेत्र की है।

भाई के मुताबिक, बहन की हालत गंभीर बनी हुई थी। बुरी तरह झुलसने के कारण वह अपना मुंह भी नहीं खोल पा रही थी। शुक्रवार रात हालत में कुछ सुधार होने पर उसने बताया- चाचा ने उसके साथ गलत काम किया। वह उसे लगातार परेशान करते थे। गलत तरीके से छूते थे। बहन के कई बार मना करने के बावजूद चाचा नहीं माने। मना करने पर वह मारपीट करते थे। बहन ने जब यह बात चाची को बताई तो उन्होंने मुंह बंद रखने को कहा। ये लोग उसे तरह-तरह से परेशान करते थे। भूखा रखकर प्रताड़ित करते थे। बहन ने जब यह बातें बताईं, तो उसने मोबाइल से वीडियो भी बनाया। इसके बाद उसने शनिवार को थाने पहुंचकर तहरीर दी। इस पर एक दरोगा ने अस्पताल आकर बहन से पूछताछ की।

### लड़की के माता-पिता की मौत हो चुकी

लड़की की मां की 2015 और पिता की 2024 में मौत हो चुकी है। वह अपने चाचा के घर में रहती है। भाई ने बताया- वह पत्नी के साथ राजापुर में रहता है। छोटी बहन व भाई चाचा-चाची के साथ शिवकुटी में रहते हैं। उसकी मौसी से ही उसके चाचा की शादी हुई है। 29 मई की शाम 4:30 बजे के करीब चाची का फोन आया। उन्होंने कहा- तुम्हारी बहन ने मिट्टी का तेल छिड़ककर खुद को आग के हवाले कर दिया है। इसे लेकर जाओ।

## प्रयागराज में डिप्टी सीएम ने कहा- क्राइम कंट्रोल के लिए सख्ती जरूरी, दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी

# गाजीपुर एनकाउंटर की जांच होगी : केशव मौर्य

**निर्देश**

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गाजीपुर एनकाउंटर मामले, विपक्ष के आरोपों, केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल और आगामी चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि गाजीपुर एनकाउंटर से जुड़े सवालों पर सरकार गंभीर है। यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

### 'क्राइम कंट्रोल के लए कठोर कदम उठाने पड़ते हैं'

डिप्टी सीएम केपी मौर्य ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को कई बार कठोर कदम उठाने पड़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी मामले में परिवार या अन्य पक्ष शिकायत करता है, तो उसकी जांच भी कराई जाती है। उन्होंने दोहराया कि गाजीपुर एनकाउंटर मामले की भी जांच होगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सपा को कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल और विपक्ष की ओर से बेरोजगारी व महंगाई पर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने जोर दिया कि जो वस्तुएं पहले विदेशों से आयात की जाती थीं, आज उनका निर्माण भारत में हो रहा है।

उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कुछ दल स्वयं 'बेरोजगार' हो गए हैं और इसी कारण सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सपा सांसद डिंपल यादव के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। इसके अतिरिक्त, 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा एक बार फिर प्रदेश में सरकार बनाएगी और पार्टी कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तैयारी में जुट चुके हैं।

### सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य से सपा नेताओं की मुलाकात और गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग पर भी केशव मौर्य ने टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसे मुद्दे उठा रही है। उन्होंने गौ संरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाने को अनुचित बताया।

# बीएचयू अस्पताल में आयुष्मान मरीज 35 गुना बढ़े

## 34 हजार से ज्यादा लोगों ने कराया इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, योजना शुरू होने के बाद से लाभार्थियों की संख्या में करीब 35 गुना वृद्धि हुई है। अस्पताल में उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार और झारखंड से आने वाले मरीज भी बड़ी संख्या में उपचार करा रहे हैं।

बीएचयू के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव ने बताया कि सर सुंदरलाल अस्पताल को पूर्वांचल का एम्स कहा जाता है। यहां प्रतिदिन 10 हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें कैंसर, हृदय रोग, मेडिसिन और

मधुमेह (शुगर) से संबंधित मरीजों की संख्या सबसे अधिक है। इन रोगियों का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक कुल 34,363 मरीज आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेकर अस्पताल में उपचार करा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज को लेकर 5 फरवरी को यह शिकायत सामने आई थी कि बिहार के मरीजों के उपचार का भुगतान राज्य सरकार की ओर से समय पर नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में बीएचयू अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र भेजा था।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### जंतर-मंतर पर...

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

अभिजीत 2020 से 2022 तक आम आदमी पार्टी (AAP) के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत AAP के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर अभिजीत X अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी पॉलिटिकल पार्टी बनेगी या नहीं फिलहाल यह तय नहीं है। पार्टी को सोशल मीडिया पर जनता का भारी समर्थन है। लेकिन देश में 6 ऐसी पार्टियां रहीं, जो केंद्र और राज्य की मौजूदा सरकार का विरोध करके चर्चा में आईं और राजनीति पार्टी बन गईं।

### 'फायरिंग मामले में ...

टीचर पर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पटना पुलिस की 5 गाड़ियां रातभर अलग-अलग वक्त पर खान सर की कोचिंग में पहुंची, लेकिन 24 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई। स्टूडेंट्स भी रातभर कोचिंग के बाहर बैठे रहे।

पुलिस गाड़ी से बार-बार अनाउंस करती रही- 'हट जाइए, लौट जाइए', लेकिन स्टूडेंट्स रातभर डटे रहे। खान सर को जानने वालों का कहना है कि वो कोचिंग के अंदर ही मौजूद हैं।

टीचर के गार्ड्स ने पुलिस को बयान दिया- उन्होंने हमें कहा तुम गोली चलाओ, बाकी हम देख लेंगे। इसी आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ BNS की धारा 109 के तहत केस दर्ज किया है। इसमें अग्रिम जमानत भी नहीं मिल सकती है। शुक्रवार को लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर IG ऑफिस में पुलिस की हाई लेवल मीटिंग हुई। पुलिस ने छात्रों से अपील की थी कि वो किसी कोचिंग सेंटर के बहकावे में ना आएं।।

दरअसल, 2 जून की रात पटना स्थित खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना के दौरान उनके बॉडीगार्ड्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था।

मामले में पुलिस पहले ही दोनों बॉडीगार्ड्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है।

### नीट की छात्रा ने ...

उन्होंने तुरंत आगे बढ़कर उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के कारण वह उठ नहीं सकी।

इसके बाद बुजुर्ग ने साहस दिखाते हुए आसपास के लोगों को जोर-जोर से आवाज देकर मदद के लिए बुलाया। उनके प्रयास के बाद मौके पर लोग जुटे और तुरंत एक ऑटो की व्यवस्था की गई। घायल युवती को तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, घायल युवती आरोन में पदस्थ एक पुलिस आरक्षक की बेटी है। वह लंबे समय से नीट (NEET) परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिजनों और दोस्तों से मिली जानकारी के मुताबिक, वह पिछले 5-6 दिनों से अपनी कोचिंग क्लास भी नहीं जा रही थी।

हालांकि, उसने यह कदम क्यों उठाया या उसके साथ क्या हुआ, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। सदमे में होने के कारण परिजनों ने भी अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया- हमें सूचना मिली थी कि एक आरक्षक की बेटी ओवरब्रिज के पास घायल हुई है। प्रथम दृष्टया यह पूरा मामला संदिग्ध लग रहा है। युवती खुद ओवरब्रिज से कूदी है या किसी अन्य हादसे का शिकार होकर नीचे गिरी है, इसकी जांच की जा रही है।

फिलहाल युवती की हालत गंभीर है और वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। उसके होश में आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

### 'भाषण देने नहीं ...

इस दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता ने अपने वार्ड में विपक्ष का पार्षद होने के कारण विकास कार्य न होने को लेकर नाराजगी जताई। जिस पर रक्षा मंत्री ने इसे पार्टी का विषय बताते हुए व्यक्तिगत स्तर की समस्याएं सामने रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। संवाद के दौरान भाजपा से जुड़े एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने अपने वार्ड की समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में भाजपा का पार्षद नहीं होने के कारण नाली, सड़क मरम्मत और सफाई जैसे कार्य प्रभावित हैं।

उन्होंने मनोनीत पार्षद न बनाए जाने पर भी नाराजगी जताते हुए पूछा कि ऐसे में उनके वार्ड का विकास कैसे होगा? इस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि यह पार्टी का विषय है। यदि कोई व्यक्तिगत समस्या है, तो उसे उनके सामने रखा जाए।

### 'वर्तमान तो जाएगा...

सीएम योगी ने कहा कि गोंडा में भी दुर्गा पूजा नहीं करने दी जाती थी। सत्ता में बैठे लोग 2017 से पहले पेशेवर गुंडों के आगे नतमस्तक होते थे। अयोध्या में रामद्रोहियों के न घुसने देने की व्यवस्था की भी बात कही।

सीएम योगी ने पूर्व की सरकारों के दौरान की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि पर्व के दौरान दंगे हुए थे। मां दुर्गा की मूर्ति को विसर्जन नहीं करने दिया जाता था। रामलीला के आयोजनों में अड़चनें डाली जाती थी। पर्व-त्यौहार प्रारंभ होने के पहले गुंडे अपने काम में लग जाते थे। प्रदेश में बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। सत्ता में बैठे लोग 2017 के पहले इन दंगाइयों-गुंडों के सामने नतमस्तक होते थे। प्रदेश में कर्फ्यू रहता था। महीनों कर्फ्यू और असुरक्षा के वातावरण में लोगों को रहना पड़ता था। इससे प्रदेश में न निवेश होता था, न विकास। उत्तर प्रदेश पहचान के संकट जूझ रहा था।

### भाजपा में 'पावर ...

भाजपा की रणनीति साफ है कि बूथ स्तर तक मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की नींव होगा। इसी कारण नई टीम को केवल पद वितरण नहीं, बल्कि एक सक्रिय चुनावी मशीन के रूप में तैयार किया जा रहा है। अब निगाह इस पर टिकी है कि नई टीम कितनी तेजी से संगठन को एकजुट कर पाती है और किस तरह जिले के राजनीतिक संतुलन को नई दिशा देती है।

### यूसुफ से ममता के ...

न ही मैंने यूसुफ से इस तरह के किसी मैसेज को लेकर कभी संपर्क किया। मुझे राजनीति से कभी मतलब नहीं रहा।'

यूसुफ पठान गुजरात के वडोदरा के रहने वाले हैं। ममता ने उन्हें 2024 में बंगाल की बहरामपुर लोकसभा सीट से टिकट दिया। पठान ने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को 85 हजार वोटों से हराया था। अधीर उस सीट से लगातार 5 चुनाव जीत चुके थे। अधीर रंजन 2019 से 2024 तक लोकसभा में कांग्रेस सांसद दल के नेता थे।

पठान की जीत के बाद से इस सीट को टीएमसी के लिए एक सेफ सीट की तरह देखा जाने लगा, क्योंकि यहां 50-52% मुस्लिम वोटर हैं, जो टीएमसी के कोर वोटर माने जाते हैं।

बंगाल विधानसभा चुनाव में सीएम शुभेंदु अधिकारी ने ममता को भवानीपुर सीट पर 15 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इसलिए अब वे विधायक नहीं हैं। बंगाल कोटे से राज्यसभा में फिलहाल कोई सीट भी खाली नहीं है। इस वजह से उनका राज्यसभा जाना भी मुश्किल है।

# 15 साल, 71 दिन की उम्र में सिलेक्शन हुआ

# वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं।

श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं।

वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल खेलेंगे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया कि जायसवाल चोटिल कोहली को रिप्लेस करेंगे। विराट कोहली हैमिस्टिंग इंजरी के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। सूर्यवंशी ने IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप का अवॉर्ड जीता।

## सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय भी बन सकते हैं वैभव

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

# [redacted]यस टी-20 के नए कप्तान

## वैभव ने 149 दिन के फासले से तोड़ा शेफाली का रिकॉर्ड

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

> इसी साल फरवरी में अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल जीतने के बाद वैभव सूर्यवंशी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 80 बॉल 175 रन की पारी खेली थी।

## दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनेक नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। यानी वैभव दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर नहीं बन सकते।

# लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन गिरे 17 विकेट

## इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दिया 254 रनों का टारगेट

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच गेंदबाजों के नाम रहा। पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद दूसरे दिन भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और दिनभर में 17 विकेट गिरे। इंग्लैंड दूसरी पारी में एक समय मजबूत स्थिति में थी, लेकिन 11 गेंदों में 4 विकेट गंवाकर लड़खड़ा गई। इसके बावजूद टीम ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य रखा।

इससे पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर समेटकर 27 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद उसकी दूसरी पारी 226 रन पर सिमट गई, जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम 36 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। अब उसे जीत के लिए तीसरे दिन 218 रन और बनाने हैं, जबकि इंग्लैंड को 7 विकेट की जरूरत है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने टेस्ट कमबैक पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 साल में अपना पहला फाइव विकेट हॉल पूरा किया। पहले दिन 61 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की पहली पारी को इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में समेट दिया।

## फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे फैबियो कोबोली

नई दिल्ली। इटली के फैबियो कोबोली ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। फ्रेंच ओपन 2026 के मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल से पहले उनके विरोधी माटेओ अर्नाल्डी ने बीमारी के कारण नाम वापस ले लिया, जिससे कोबोली को वॉकओवर मिल गया। 10वें सीड कोबोली का सामना अब रविवार के खिताबी मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने चेक रिपब्लिक के याकूब मेन्सिका को हराया। इस जीत के साथ उन्होंने करियर में दूसरी बार रोलां गैरो के फाइनल में जगह बनाई। वायरल इन्फेक्शन के कारण हटे अर्नाल्डी, करियर का पहला सेमीफाइनल नहीं खेल पाए

इटली के माटेओ अर्नाल्डी वायरल इन्फेक्शन (पेट की खराबी) के कारण अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल से हट गए। उन्होंने बताया कि तबीयत अचानक बिगड़ने से वे कोर्ट पर उतरने की स्थिति में नहीं थे।

## फाइनल राउंड में जर्मनी के विन्सेंट को हराया, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार मात दी

# प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंदा ने मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया।

ओस्लो, एजेंसी

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीत लिया है। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

उन्होंने क्लासिकल मुकाबला जीतकर 3 अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 7 बार मैग्नस कार्लसन ने

प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद विन्सेंट कीमर से हाथ मिलाया।

जीता। 2025 में भी वही चैंपियन थे।

इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में प्रज्ञानानंदा का प्रदर्शन साधारण रहा, लेकिन बाद के मुकाबलों में उन्होंने शानदार वापसी की।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक वर्ल्ड नंबर-1 और सात बार के नॉर्वे चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराना रहा। प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी।

> प्रज्ञानानंदा ने वह कर दिखाया जो भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद भी नहीं कर पाए थे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश भी अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सके हैं। 2013 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पहली बार किसी भारतीय ने खिताब जीता है। प्रज्ञानानंदा दूसरी बार नॉर्वे चेस में खेल रहे थे। गुकेश 8 अंकों के साथ छठे (आखरी) स्थान पर रहे।

## आखिरी राउंड में पलटी बाजी, वेस्ली टाईब्रेकर जीतने के बावजूद हारे

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ टॉप पर थे। लेकिन उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और फैसला आर्मागेडन टाईब्रेकर में गया। इससे प्रज्ञानानंदा के लिए खिताब जीतने का रास्ता खुल गया। वेस्ली सो ने टाईब्रेकर तो जीत लिया, लेकिन उन्हें केवल 1.5 अंक मिले। इस तरह उनके कुल 17 अंक हुए, जो प्रज्ञानानंदा से एक कम थे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी दौर में मैग्नस कार्लसन ने गुकेश को हराया, लेकिन वह भी खिताब नहीं जीत सके। कार्लसन 13 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहे।

मनोरंजन

## सलमान को एकतरफा टारगेट किया जा रहा था, इसलिए बीच में छोड़ी फिल्म

# फिल्म काला हिरण को लेकर एक्टर सोनू मिश्रा का दावा

नई दिल्ली। फिल्म 'काला हिरण' को लेकर एक्टर सोनू मिश्रा ने दावा किया है कि फिल्म में सलमान खान का किरदार निभाने के लिए पहले उन्हें चुना गया था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद ही प्रोजेक्ट छोड़ दिया।

यूट्यूब चैनल झलको चूरू को दिए इंटरव्यू में सोनू ने बताया कि अप्रैल 2026 में उन्हें एक कास्टिंग डायरेक्टर ने इस फिल्म के लिए कॉन्टैक्ट किया था। सलमान खान से जुड़ा प्रोजेक्ट होने की वजह से उन्होंने तुरंत हामी भर दी। हालांकि, शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें लगा कि फिल्म में सलमान खान को

एकतरफा और नेगेटिव तरीके से दिखाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'मैंने देखा कि वहां फिल्म बनाने के नाम पर उस बड़े स्टार (सलमान) को एकतरफा टारगेट किया जा रहा था। वो भी काफी नेगेटिव ढंग से। मैंने मेकर्स से कहा कि आप मुझे स्क्रिप्ट दिखाइए।

## 'काला हिरण' को लेकर सलमान ने लीगल नोटिस भेजा

'काला हिरण' को लेकर सलमान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई।

## सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ा

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर जारी विवाद के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया। अमित जानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में कहा,हर कोई मुझसे पूछ रहा है, मीडिया, दोस्त, कि सलमान खान के नोटिस पर आपको क्या कहना है? इस नोटिस पर मैं क्या कहूं? पिछले 36 घंटों से उनकी डोंगरी, धारावी, जोगेश्वरी के मुस्लिम लड़कों की फैन फॉलोइंग, उनके टूलकिट ने मुझे जान से मारने, मुंबई आने और सिर कलम करने के हजारों मैसेज भेजे हैं और उनके टूलकिट के जरिए एक मैसेज, चाहे वह असली हो या नकली, मुझे नहीं पता, डी-कंपनी के नाम से भेजा गया है। डी-कंपनी छोड़ेगी नहीं।

# अक्षय कुमार ने राजपाल यादव के साथ किया प्रैंक

## सेट पर घोड़ा विग कुतरने लगा, घबराकर चिल्लाए एक्टर

नई दिल्ली। अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के सेट से एक बिहाइंड द सीन्स (BTS) वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में उनके को-आर्टिस्ट राजपाल यादव नजर आ रहे हैं।

वीडियो में राजपाल यादव एक बाड़ के पास खड़े दिखाई देते हैं। तभी अक्षय कुमार उनके पीछे एक घोड़ा लेकर पहुंच जाते हैं। घोड़ा राजपाल यादव की पहनी हुई विग को कुतरने लगता है, जिससे वह अचानक घबरा जाते हैं।

अचानक हुई इस घटना से राजपाल यादव डरकर चिल्ला उठते

हैं। इसके बाद अक्षय कुमार और राजपाल यादव दोनों जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने लिखा, "राजपाल यादव को अपनी 'हॉर्सपावर' दिखाने में बड़ा मजा आया। 'वेलकम टू द जंगल' आपकी कल्पना से भी ज्यादा जंगली है। 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।" फिल्म का डायरेक्शन अहमद खान ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, दलेर मेहंदी, फरीदा जलाल, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

## समोसे बेचते थे पिता, 4 साल में जगराता गाया, 10 बाई10 के कमरे में रहीं, वैन में सोईं, नशे में कंटेस्टेंट ने किया प्रपोज

# 38 की हुई नेहा कक्कड़

नई दिल्ली। 6 जून 1988 को नेहा कक्कड़ का जन्म ऋषिकेश के बेहद गरीब परिवार में हुआ। तीन भाई-बहनों में नेहा सबसे छोटी थीं। सोनू कक्कड़ (सिंगर) और टोनी कक्कड़ (सिंगर-कंपोजर) उनसे बड़े थे। पिता के पास गुजारे के लिए कोई पक्की नौकरी नहीं थी। वो पत्नी निती कक्कड़ और 3 बच्चों के साथ ऋषिकेश के एक 10 बाय 10 के किराए के कमरे में रहते थे। गरीबी का वो आलम था कि घर में किचन तक नहीं था। मां उसी कमरे में एक टेबल रखकर उस पर खाना पकातीं। उसी कमरे में सब उठते-बैठते, सोते, खेलते।

नेहा महज 4 साल की थीं, जब पिता रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली शिफ्ट हो गए। वो एक छोटे से स्कूल के बाहर समोसे बेचने लगे। बड़ी बहन सोनू उसी स्कूल में पढ़ती थीं। स्कूल में पिता के काम के चलते उनका जमकर मजाक बनाया जाता था, जिससे वो काफी रोती थीं।

परिवार का गुजारा मुश्किल होने लगा, तो पिता ने बड़ी बेटी सोनू कक्कड़ के साथ जगराते में गाना शुरू कर दिया। पिता को लिखने का शौक था, तो वो खुद

नेहा कक्कड़ के ऋषिकेश स्थित घर की तस्वीर।

जगराते के लिए गाने लिखा करते थे।

समय के साथ भाई टोनी और फिर 4 साल की उम्र में नेहा ने भी पिता की आर्थिक मदद करने के लिए जगराते में गाना शुरू कर दिया। पूरा परिवार रिक्शे से जगराता करने जाता था। हर जगराते के उन्हें 500 रुपए तक मिलने लगे और घर के हालात भी बेहतर हो गए। समय के साथ पिता ने ट्रेवलिंग के लिए एक वैन ले ली। जब भी कभी रातभर जगराता होता, तो पिता वैन के पीछे वाली सीट खोलकर वहीं बच्चों के लिए गद्दे बिछा देते थे, जिससे बच्चों को आराम मिल सके। इंडियन आइडल के एक एपिसोड में बचपन के दिनों को याद कर नेहा ने कहा था- मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू किया। उस समय कोई टाइम लिमिट नहीं होती थी। जगराते कभी-कभी रात से शुरू होकर सुबह तक चलते थे और हम लगातार गाते थे। ल ेग हमारी तारीफ तक नहीं करते थे, कई बार तो ऐसा भी हुआ, जब हम रातभर गाने के चलते स्कूल नहीं जा सके। नेहा कक्कड़ ने महज 5 साल की उम्र में ऋषिकेश में होने वाले एक म्यूजिकल कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। उस कॉम्पिटिशन में कोई एज लिमिट नहीं थी, तो 5 साल की नेहा को 16-17 और उससे भी बड़े लोगों के साथ कंपीट करना पड़ा। नन्ही सी नेहा ने तब नई-नई आई फिल्म फूल और कांटे का गाना मैंने प्यार तुम्ही से किया है गाया था।

## झगड़े में भाई की जांघ में मारा पैन

नेहा कक्कड़, भले ही पढ़ाई से दूर रहीं, लेकिन शरारत में अव्वल थीं। सोनू उनसे बड़ी थीं, लेकिन टोनी से उम्र का फासला कम होने पर दोनों खूब झगड़ते थे। कपिल शर्मा शो में आए कक्कड़ भाई-बहनों ने बताया कि एक बहस के बाद नेहा ने भाई टोनी की जांघों पर पैन से ऐसा हमला किया कि आधा पैन उनकी जांघ में घुस गया था।

> दिल्ली में गायिकी में मजबूत पकड़ बनाने के बाद बड़ी बहन सोनू कक्कड़ ने 2003 में मुंबई के सिंगिंग रियलिटी शो पॉपस्टार जीता। उस शो के जज संदीप चौटा को सोनू की आवाज इतनी पसंद आई कि उन्होंने शो खत्म होते ही उन्हें ऑफिस बुलाकर, फिल्म 'दम' का गाना 'बाबू जी जरा धीरे चलोङ्क,' ऑफर कर दिया। कम समय में ही सोनू ने म्यूजिक इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाते हुए कई हिट गाने दिए।

बड़े भाई टोनी के साथ नेहा कक्कड़ की तस्वीर।

## पुतिन-किम जोंग की नजदीकी से जिनपिंग की चिंता बढ़ी, 7 साल बाद उत्तर कोरिया जाएंगे

# 'उत्तर कोरिया अब सिर्फ चीन के भरोसे नहीं'

**बयान**

**बीजिंग/प्योंगयांग, एजेंसी**

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते उत्तर कोरिया के दौरे पर जाएंगे और वहां किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के सरकारी मीडिया के मुताबिक यह यात्रा 8 से 9 जून तक होगी। जिनपिंग ने इससे पहले 2019 में प्योंगयांग का दौरा किया था।

यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब कुछ हफ्ते पहले ही जिनपिंग ने बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी की थी। रूस और चीन दोनों ही उत्तर कोरिया की विदेश नीति में बेहद अहम भूमिका निभाते हैं।

कुछ साल पहले तक उत्तर कोरिया पर चीन का दबदबा था, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं।

चीन में विक्ट्री डे परेड के मौके पर पुतिन, शी जिनपिंग और किम जोंग उन एक साथ नजर आए। तस्वीर सितंबर 2025 की है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और उत्तर कोरिया की नजदीकी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। यानी कि अब उत्तर कोरिया सिर्फ चीन के भरोसे नहीं है।

कुछ साल पहले तक किम जोंग उन की स्थिति कमजोर दिखाई दे रही थी। 2019 में ट्रम्प ने उनके साथ परमाणु वार्ताओं को समाप्त कर दिया था, जिससे प्रतिबंध हटने की उम्मीद खत्म हो गई। इसके बाद कोविड महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं बंद कर लीं।

इससे चीन के साथ व्यापार लगभग ठप हो गया, जबकि चीन ही उत्तर कोरिया के लिए सामान और विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा स्रोत था। लेकिन महामारी के बाद हालात बदल

### चीन की उत्तर कोरिया के साथ अनोखी संधि

चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा आर्थिक और राजनीतिक साझेदार है। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों के कारण लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। ऐसे में चीन उसके लिए सबसे अहम सहारा बना हुआ है। चीन और उत्तर कोरिया के बीच करीब 1,400 किलोमीटर लंबी सीमा है। दोनों देशों के बीच रक्षा संधि भी है, जो चीन की किसी भी देश के साथ एकमात्र सैन्य संधि है। इस समझौते के तहत यदि किसी एक देश पर हमला होता है तो दूसरा उसकी मदद करेगा। इस साल इस संधि के 65 साल पूरे हो रहे हैं। किम जोंग के लिए शी जिनपिंग की यह यात्रा बहुत महत्व रखती है। कोविड महामारी, अंतरराष्ट्रीय अलगाव और फिर यूक्रेन युद्ध में रूस का साथ देने के बाद उत्तर कोरिया खुद को पहले से ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली दिखाने की कोशिश कर रहा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन जून 2024 को उत्तर कोरिया पहुंचे थे। इस दौरान स्वागत समारोह में किम जोंग उन ने उनका अभिवादन किया।

### पुतिन-किम की बढ़ती नजदीकी से जिनपिंग परेशान

हाल के वर्षों में किम जोंग और व्लादिमीर पुतिन के संबंध भी तेजी से मजबूत हुए हैं। रूस ने उत्तर कोरिया को आर्थिक और तकनीकी मदद दी है, जबकि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस को सैनिकों और हथियारों की सहायता दी है।

जिनपिंग, रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ती नजदीकी को लेकर पूरी तरह सहज नहीं हैं।

# चीन में 'नो मैरिज, नो किड्स' का बढ़ा ट्रेंड

### घटती जन्मदर बनी शी चिनफिंग सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चीन की चुनौतियों की चर्चा अक्सर अमेरिका से आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ताइवान को लेकर तनाव या वैश्विक शक्ति संतुलन के संदर्भ में होती है। लेकिन इन सबके बीच चीन एक ऐसे संकट से जूझ रहा है जो आने वाले दशकों में उसकी अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीतिक स्थिरता पर गहरा असर डाल सकता है। यह संकट है तेजी से घटती शादियों और जन्मदर का।

चीन में पिछले लगभग एक दशक से 'नो मैरिज, नो किड्स' का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली तिमाही में देश में होने वाली शादियों की संख्या पिछले दस सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान 17 लाख से भी कम विवाह पंजीकृत हुए। 2017 की तुलना में विवाह पंजीकरण

के आंकड़े लगभग आधे रह गए हैं। घटती जन्मदर को लेकर चीन सरकार की चिंता इतनी बढ़ गई है कि वह विभिन्न स्तरों पर लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पिछले वर्ष चीन की एक कंपनी शांटियन केमिकल ग्रुप ने अपने 28 से 58 वर्ष की आयु के कर्मचारियों को नोटिस जारी कर कहा था कि यदि वे सितंबर 2025 तक शादी नहीं करेंगे तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। नोटिस में यह भी कहा गया था कि शादी और बच्चे पैदा न करना सरकार की नीति के खिलाफ माना जा सकता है।

**फास्ट न्यूज**

### चिलचिलाती धूप, ट्रक खराब और पानी खत्म

नई दिल्ली। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर के सहारा मरुस्थल से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाने अपने घर लौट रहे 49 लोगों की प्यास के कारण तड़प-तड़प कर मौत हो गई। भीषण गर्मी के बीच बीच रेगिस्तान में ट्रक खराब हो जाना इन यात्रियों के लिए काल बन गया। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सहारा के खतरनाक रास्तों और वहां की प्रतिकूल परिस्थितियों को सामने ला दिया है।

### इस हफ्ते सोने-चांदी में गिरावट रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,225 रुपए गिरकर 1.54 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 30 मई को 1.56 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.63 लाख रुपए किलो से गिरकर 2.57 लाख रुपए पर आ गई है। यानी इसकी कीमत 6,442 रुपए कम हुई। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए और चांदी 27 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

### ट्रंप ने की मोजतबा से मुलाकात की पेशकश

लंदन। अमेरिका और ईरान के तनाव के बीच एक नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तंज कसा है। अराघची ने ट्रंप के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें वास्तविक दुनिया में रहने की सलाह दी है।

## केनरा बैंक पर आरबीआई ने 41.8 लाख का जुर्माना लगाया

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने केनरा बैंक पर 41.8 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई है। यह कार्रवाई नो योर कस्टमर (KYC) नियमों समेत कुछ जरूरी बैंकिंग गाइडलाइंस का पालन न करने पर हुई है।

RBI की जांच में सामने आया है कि केनरा बैंक ने कई ग्राहकों के KYC रिकॉर्ड्स को तय समय सीमा के अंदर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (CKYCR) पर अपलोड नहीं किया था।

नियमों के मुताबिक, सभी बैंकों को नए और मौजूदा ग्राहकों का KYC डेटा इस केंद्रीय रजिस्ट्री पर तय वक्त के अंदर अपडेट करना होता है, ताकि फ्रॉड को रोका जा सके। केनरा बैंक इस टाइमलाइन को फॉलो करने में नाकाम रहा।

नियमों के उल्लंघन का दूसरा मामला कस्टमर अकाउंट्स की हैंडलिंग से जुड़ा है। RBI की गाइडलाइंस कहती हैं कि अगर

**केवाईसी डेटा अपलोड करने में देरी और चालू खातों को इनऑपरेटिव बताने पर हुई कार्रवाई**

किसी खाते में पिछले एक साल के भीतर ग्राहक की तरफ से कोई ट्रांजैक्शन हुआ है, तो उसे एक्टिव माना जाएगा। हालांकि, केनरा बैंक ने ऐसे कई खातों को भी इनऑपरेटिव (निष्क्रिय) घोषित कर दिया था, जिनमें आखिरी लेनदेन को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था।

RBI ने बैंक की यह कार्रवाई एक सुपरवाइजरी इवैल्यूएशन (ISE 2025) के तहत की है।

## ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने हालिया तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

# कुवैत और बहरीन में गूंजे हवाई हमले के सायरन

**अमेरिकी सैन्य अधिकरियों ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को कुवैत और बहरीन की ओर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इससे कुछ घंटे पहले ही चार ईरानी 'वन-वे अटैक' ड्रोन को नाकाम करने की खबर आई थी।**

**नई दिल्ली, एजेंसी**

ईरान-अमेरिका संघर्ष विराम के बीच शनिवार को हुए जवाबी हमलों ने सीजफायर के लिए खतरा पैदा कर दिया। इस दौरान कुवैत और बहरीन पर मिलाइलों और ड्रोन से हमले हुए। वीडियो में कुवैत के ऊपर हवा में मिसाइलों को रोकते हुए दिखया गया, जबकि बहरीन में सायरन बज रहे हैं।

ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने हालिया तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कुवैत जाने वाले यात्री विमानों को अपना रास्ता बदलने की सलाह दी। उन्होंने देश के नागरिकों को हवाई अड्डों से दूर रहने की भी सलाह दी। FlightRadar24 के अनुसार,

कुवैत एयर पोर्ट पर 24 उड़ानें रद कर दी गईं और 15 में देरी हुई, जबकि हमलों के बीच विमानों को रोका गया या उनका रास्ता बदला जा रहा है। कुवैत क एयर स्पेस पूरी तरह से खाली हो गया। यह स्पष्टीकरण तब आया, जब ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि उसने कुवैत में अमेरिकी सेना वाले अली अल सलेम एयरबेस और बेहरीन में अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े को निशाना बनाया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी IRNA ने दी।

### अमेरिकी सेट्रंल कमांड ने 6 मिसाइलों को रोका

अमेरिकी सेट्रंल कमांड ने कहा कि उसने ईरान द्वारा दागी गई 6 मिसाइलों को रोक दिया और सातवीं मिसाइल अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई। बयान में कहा गया कि फिलहाल अमेरिकी कर्मियों को किसी नुकसान की खबर नहीं है और बहरीन में अपने 5वें बेड़े के मुख्यालय को नुकसान पहुंचाने के ईरान के दावे झूठे हैं।

## 'झूठ फैलाना बंद करे पाकिस्तान'

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारे में पाकिस्तान की 'बेवजह की बातों' का जवाब देते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के सत्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने शुक्रवार को इस्लामाबाद को 'गलत और पक्षपाती नैरेटिव फैलाने' के खिलाफ चेतावनी दी।

पी हरीश ने यह दोहराते हुए कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े सभी मामले पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है, यह केंद्र शासित प्रदेश, भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। हरीश ने कहा कि इसके विपरीत कोई भी दावा बेबुनियाद है और ऐतिहासिक तथ्यों के खिलाफ है। पाकिस्तान की खोखली बयानबाजी और झूठे दावे इस बुनियादी सच्चाई को नहीं बदल सकते हैं।

पी हरीश, संयुक्त राष्ट्र महासभा में परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अदमग द्वारा केंद्र शासित प्रदेश का जिक्र किए जाने पर जवाब दे रहे थे।

# 85% इथेनॉल वाला फ्लेक्स फ्यूल लॉन्च

## 82.12 प्रति लीटर मिलेगा, दिल्ली में पहला पंप खुला, पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता

**नई दिल्ली, एजेंसी**

85% एथेनॉल मिक्स वाला E85 फ्यूल दिल्ली में आधिकारिक तौर पर लॉन्च हो गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन ऑयल (IOC) के पूसा रोड आउटलेट पर दिल्ली के पहले E85 फ्यूल डिस्पेंसिंग स्टेशन का उद्घाटन किया।

खास बात ये है कि यह पेट्रोल से 20 प्रति लीटर सस्ता है। इससे न सिर्फ आम लोगों का गाड़ी चलाने का खर्च कम होगा, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी घटेगी। दिल्ली में E85 फ्यूल की कीमत 82.12 प्रति लीटर तय की गई है। यह दिल्ली में बिक रहे रेगुलर E20 पेट्रोल से पूरे 20 कम है। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को किसी तरह का भ्रम न हो, इसके लिए E85 फ्यूल देने वाली मशीनों (डिस्पेंसर्स) पर एक खास ब्रांडिंग और अलग से साफ दिखने वाला लेबल लगाया जाएगा। अभी देशभर में फ्यूल स्टेशन

पर जो पेट्रोल मिल रहा है वह E20 है, यानी उसमें 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल मिक्स है। इसके उलट, नए E85 फ्यूल में 85% तक एथेनॉल और सिर्फ 15% पेट्रोल है। सरकार E100 यानी 100% एथेनॉल जैसे फ्लैक्स फ्यूल की ओर बढ़ना चाहती है, ताकि कच्चे तेल के आयात को कम किया जा सके। 28 फरवरी को मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ा है। एथेनॉल को गन्ने के रस, मक्का और सड़े हुए अनाज जैसे कृषि उत्पादों से बनाया जाता है, इसलिए इसकी लागत कम आती है। यही वजह है कि ग्राहकों के लिए यह काफी किफायती साबित होगा, बशर्ते उनके पास इस फ्यूल को सपोर्ट करने वाली गाड़ियां हों। ये फ्यूल पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को भी कम करने में भी मदद करता है।

### इस साल खुलेंगे 500 पंप, 2027 तक 5000 का टारगेट

दिल्ली के पूसा रोड पर खुला यह स्टेशन देश का पहला पंप है, लेकिन सरकार का प्लान इसे बहुत बड़े स्तर पर ले जाने का है। शुरुआती फेज में सरकार दिल्ली-NCR और मुंबई-पुणे-नागपुर कॉरिडोर में करीब 50 से 100 ऐसे E85 फ्यूल स्टेशन स्थापित करेगी। योजना के मुताबिक, इस साल अंत तक देश में ऐसे स्टेशनों का नेटवर्क बढ़ाकर करीब 500 किया जाएगा। वहीं, साल 2027 अंत तक केंद्र सरकार का टारगेट देश के सभी मुख्य शहरों में लगभग 5000 आउटलेट्स शुरू करने का है। सरकार ने हाल ही में E22, E25, E27 और E30 जैसे ज्यादा एथेनॉल मिक्स वाले फ्यूल स्टैंडड्र्स को भी नोटिफाई किया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने फ्लेक्स फ्यूल कार में E85 फ्यूल भरकर शुरुआत की।

### सिर्फ इन चुनिंदा गाड़ियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा

E85 फ्यूल को सामान्य पेट्रोल गाड़ियों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए गाड़ियों का इंजन खास तौर पर 'फ्लेक्स-फ्यूल' तकनीक पर आधारित होना चाहिए। फिलहाल भारत में अभी फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां अवेलेबल नहीं है।

## 'प्रवासियों की घुसपैठ और आत्म-घृणा की राजनीति' के कारण हुई हेनरी की मौत

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक सिख व्यक्ति द्वारा एक श्वेत छात्र की हत्या के मामले में ब्रिटेन के रवैये की आलोचना की। उन्होंने इसे प्रवासियों की घुसपैठ के कारण सभ्यता के पतन का नतीजा बताया।

18 साल के हेनरी नोवाक मामले पर वेंस की टिप्पणियों की ब्रिटश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के कार्यालय की तुरंत निंदा की और 'लोकतंत्र में दखल' देने की कोशिशों का खारिज कर दिया। वेंस ने एक्स पर लिखा, हेनरी नोवाक की मौत वैसे ही हुई जैसे किसी सभ्यता की मौत होती है। अधिकारियों द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया गया, हथकड़ी पहनाई गई, जिन्होंने न तो उस पर भरोसा किया और न ही उसकी परवाह की। और उस पर ऐसे नफरत भरे अपराधों का आरोप लगाया गया जो उसने किए ही नहीं थे। उसकी हत्या जितनी दुखद है, उतनी ही गुस्सा दिलाने वाली भी है।

साउथैम्पट शहर में दिसंबर में विक्रम डिगवा द्वारा चाकू मारे जाने

के बाद मौत से जूझते नोवाक को पुलिस ने हथकड़ी पहना दी थी। यह मामला दुनिया भर में दक्षिणपंथी गुस्से का केंद्र बन गया और इसने ब्रिटेन में दंगे भड़का दिए।

23 साल के डिगवा ने झूठ बोला और पुलिस को कहा वह पीड़ित है और नोवाक ने नस्लीय आधार पर उसका अपमान किया था।

अरबपति कारोबारी एलन मस्क, जो वेंस के दोस्त भी हैं, उन्होंने चाकू मारने की घटना पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में कई बार एक्स पर पोस्ट किया है। इसके बाद गुरुवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी और विचारधारा आधारित सोच और दोहरे स्तर की पुलिसिंग की निंदा की, जिसके कारण यह घटना हुई।

## डील : 5 साल में 671 करोड़ चुकाएगी कंपनी, देश में कॉमर्शियल प्रॉपर्टी की डिमांड बढ़ी

# गूगल ने गुरुग्राम में 6.17 लाख स्क्वायर-फीट ऑफिस स्पेस खरीदा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

गूगल इंडिया ने गुरुग्राम के 'एट्रियम प्लेस' में करीब 6.17 लाख स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया है। प्रॉपस्टैक के ट्रांजैक्शन डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, गूगल इस जगह के लिए अगले 5 साल में कुल 671 करोड़ रुपए का किराया चुकाएगी। यह फ्रेश लीज डील ऐसे समय में हुई है जब देश के ग्रेड ए कॉमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर की डिमांड में भारी तेजी देखी जा रही है।

गूगल ने गुरुग्राम के एट्रियम प्लेस के 'टावर 1' में कुल 6,17,448 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस रेंट पर लिया है। एट्रियम प्लेस डीएलएफ (DLF) और हाइन्स का एक जॉइंट

वेंचर है। इस एग्रीमेंट के तहत गूगल 171 प्रति स्क्वायर फीट की लीज रेट से हर महीने लगभग 10.55 करोड़ रुपए का रेंट चुकाएगी। इसके साथ ही कंपनी ने 63.65 करोड़ रुपए बतौर सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा किए हैं। अप्रैल 2026 में रजिस्टर्ड हुए इन डॉक्युमेंट्स के अनुसार, इस लीज में हर तीन साल में किराए में 15% की बढ़ोतरी का नियम भी शामिल है। यह नई लीज 1 अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुकी है, जो कॉमर्शियल

**मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर की दिग्गज कंपनियां अब 130 प्रति स्क्वायर फीट से ज्यादा के रेट पर लॉन्ग-टर्म और हाई-वैल्यू लीज एग्रीमेंट साइन कर रही हैं। यह इस बात का साफ संकेत है कि देश में ग्रेड ए कॉमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बेहद मजबूत बनी हुई है।**

टावर के दूसरे फ्लोर से लेकर 16वें फ्लोर तक के हिस्से को कवर करती है। भारत के ऑफिस लीज मार्केट को आगे बढ़ाने में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) की सबसे बड़ी भूमिका है। जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही के दौरान भारत में कुल 20.7 मिलियन स्क्वायर फीट (msf) ऑफिस स्पेस लीज पर लिया गया।

### पिछले साल भी गूगल ने की थी 2 बड़ी लीज डील्स

गूगल लगातार भारत में अपना ऑफिस स्पेस बढ़ा रहा है। इस फ्रेश लीज से पहले साल 2025 में भी कंपनी ने मैनेज्ड वर्कस्पेस प्रोवाइडर 'टेबलस्पेस' से 5,50,000 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया था। इतना ही नहीं, साल 2025 में ही गूगल ने ईस्ट बेंगलुरु के डोडदानेकुंडी में अपने करीब 8,70,000 स्क्वायर फीट के ऑफिस स्पेस की लीज को रिन्यू भी किया था, जिसके लिए कंपनी सालाना 90 करोड़ रुपए का रेंट कमिटमेंट दे रही है।

### गुरुग्राम में डीएलएफ एसेट्स की मांग तेज

यह डील ऐसे समय पर सामने आई है जब गुरुग्राम में डीएलएफ के कॉमर्शियल एसेट्स की मांग में तगड़ा उछाल आया है। पिछले हफ्ते ही एयरबीएनबी ने अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) के लिए गुरुग्राम के डीएलएफ साइबर सिटी में 46,437 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस 5 साल के लिए लीज पर लिया है। एयरबीएनबी इसके लिए करीब 61.53 लाख रुपए का शुरुआती मंथली रेंट चुका रही है।

## 'भारत पर प्रतिबंध लगाने वाले खुद भुगतेंगे अंजाम'

**नई दिल्ली, एजेंसी**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति का पुरजोर समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की कोई भी धमकी तुरंत उल्टा असर करने वाली साबित होगी। वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) में बोलते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में काम करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों का कोई भी संभावित खतरा तुरंत बूमरैंग साबित होगा। हम लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी के साथ करीबी बातचीत कर रहे हैं। जहां तक मैं समझता हूं, सभी प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है और अमेरिका तथा भारत के बीच संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र

है जिन्हें वह सबसे आधुनिक और अपने लिए सबसे उपयुक्त मानता है। भारत हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही फैसले लेता है।

रूसी राष्ट्रपति ने साफ किया कि भारत के साथ क्रेमलिन का सहयोग किसी भी तरह के राजनीतिक माहौल के अधीन नहीं है और मॉस्को भारत जैसे अपने भरोसेमंद भागीदारों को दी गई प्रतिबद्धताओं पर हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारा सहयोग, हमारे बाकी सभी भागीदारों की तरह, राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता है। कोई हमें यह निर्देश नहीं दे सकता कि हम भारत को क्या आपूर्ति करें और क्या नहीं।

**तमसा संकेत**
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

**सम्पादक : विद्यादेवी**

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96